हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 19 अप्रैल 2026

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार, 19 अप्रैल 2026

Shri Balaji Group of Hospitals & Colleges
संकल्प, समर्पित सेवा का

750 बिस्तरों का सर्व सुविधा युक्त हॉस्पिटल

माँ पद्मावती हॉस्पिटल

पचेड़ा, माता कौशल्या मंदिर के पास, रायपुर

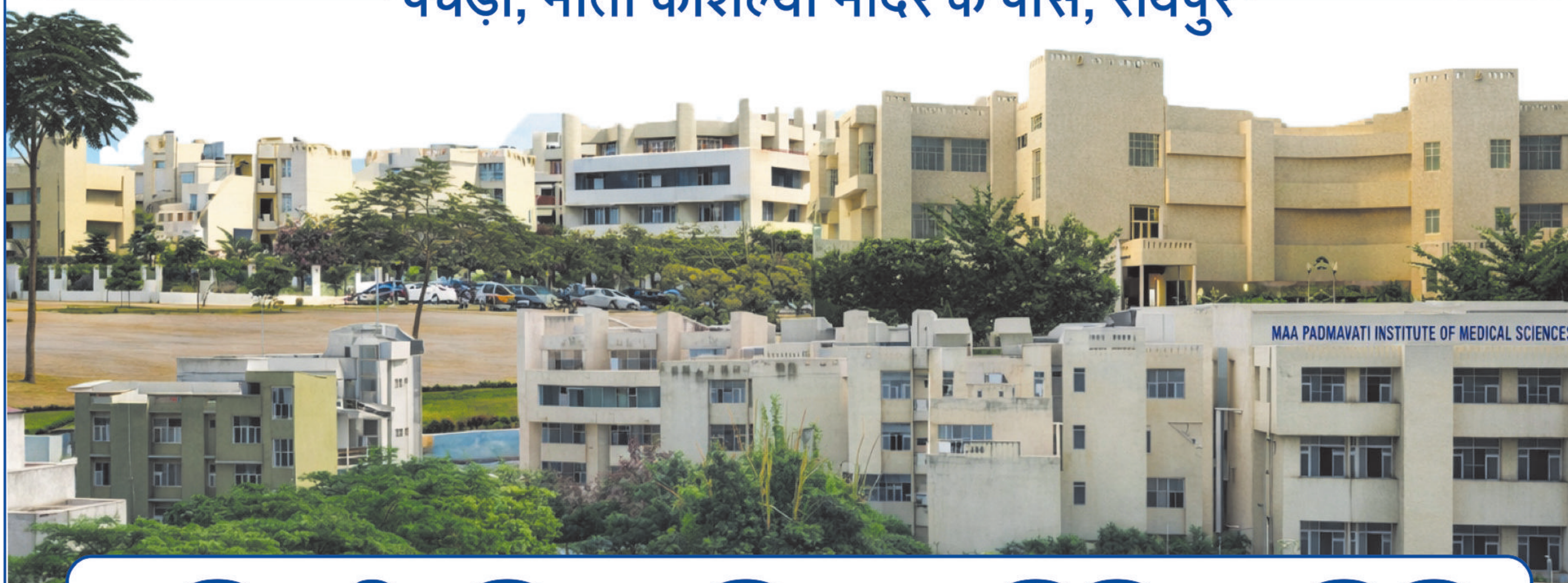

15 दिवसीय विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

16/04/2026 से 30/04/2026 समय : 10:00 से 04:00

नि:शुल्क ओपीडी | नि:शुल्क ऑपरेशन | नि:शुल्क भर्ती

नि:शुल्क जांच - खून जांच, सोनोग्राफी, एक्स-रे, सीटी स्कैन, ऑडियोमेट्री, ECG, ECHO

अग्रिम पंजीयन अनिवार्य

IPD सेवाएं

जनरल सर्जरी विभाग

1. हाइड्रोसील	नि:शुल्क
2. बवासीर (मलकंठ)	नि:शुल्क
3. हर्निया ओपन	आयुष्मान
4. प्रोस्टेट का ऑपरेशन	आयुष्मान
5. दुर्घटना एवं जलने की सर्जरी	आयुष्मान
6. पित्ताशय की पथरी	आयुष्मान
7. पेशाब नली मे पथरी	आयुष्मान
8. अंतड़ीयो का ऑपरेशन	आयुष्मान
9. पेंक्रियास पाचन तंत्र का ऑपरेशन	आयुष्मान
10. अपेन्डीक्स	आयुष्मान

जनरल मेडिसीन विभाग

1. मलेरिया, टाइफाईट, डेगू	नि:शुल्क
2. मस्तिष्क ज्वर	आयुष्मान
3. पेट मे पानी भरना	आयुष्मान
4. हाथ,पैरो, मे सूजन या शरीर के कोई भी भाग में सूजन	आयुष्मान
5. श्वास मे तकलीफ	आयुष्मान
6. ब्लडप्रेसर कम या ज्यादा होना	आयुष्मान
7. दमा, अस्थमा	आयुष्मान
8. मधुमेह	आयुष्मान
9. पिलिया	आयुष्मान
10. कब्जीयत, एसीडीटी	आयुष्मान

स्त्रीरोग विभाग

1. नार्मल डिलिवरी	नि:शुल्क
2. सीजेरियन डिलिवरी	नि:शुल्क
3. बच्चादानी का आपरेशन	नि:शुल्क
4. नसबंदी	नि:शुल्क
5. बॉझपन (स्वेतप्रदर)	नि:शुल्क
6. नसबंदी	नि:शुल्क
7. बॉझपन (स्वेतप्रदर)	नि:शुल्क
8. स्तन का गांठ सूजन व मवाद	नि:शुल्क
9. स्त्रीरोग सम्बन्धित सभी परामर्श	नि:शुल्क
10. बच्चेदानी में गाठ़ टयुमर कैंसर	आयुष्मान

शिशु रोग विभाग

1 निमोनिया	आयुष्मान
2 एनीमिया	आयुष्मान
3 सिकल सेल रोग	आयुष्मान
4 पीलिया, बुखार, मलेरिया, डायरिया	आयुष्मान
5 झटके आना, मिर्गी का दौरा पड़ना	आयुष्मान
6 सर का सामान्य से बड़ा होना	आयुष्मान
7 पेट का बढ़ना	आयुष्मान
8 बंच्चो में अंडकोष	आयुष्मान
9. हर्निया	आयुष्मान
10. अपेंडिक्स	आयुष्मान

हड्डी रोग विभाग

1. फ्रैक्चर (हड्डी टूटना)	आयुष्मान
2. जोड़ों का दर्द	आयुष्मान
3. रूमेटाइड आर्थराइटिस	आयुष्मान
4. लिगामेन्ट में चोट	आयुष्मान
5. स्पाइन सर्जरी	आयुष्मान
6. सर्वाइकल, लम्बर स्पॉन्डिलोसिस	आयुष्मान
7. स्लिप डिस्क	आयुष्मान
8. क्लब फुट / फ्लैट फुट	आयुष्मान
9. हड्डी का संक्रमण	आयुष्मान
10. अर्थरोस्कोपी, ट्रॉमा	आयुष्मान

ई.एन.टी. विभाग

1. टॉन्सिल की सर्जरी	नि:शुल्क
2. कान में कचड़ा की सफाई	नि:शुल्क
3. कान के परदे की सर्जरी	आयुष्मान
4. एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी	आयुष्मान
5. नाक के हड्डी की सर्जरी	आयुष्मान
6. थाइरोइड की सर्जरी	आयुष्मान
7. नेसल बोन का बडऩा था सिकुडऩा	आयुष्मान
8.नाक कान गले की कैंसर की सर्जरी	आयुष्मान
9. नाक से खुन आना	आयुष्मान
10. कान से खुन आना/मवाद आना	आयुष्मान

नेत्र विभाग

1. मोतियाबिंद	नि:शुल्क
2. आँख में स्वत: आसू आना	नि:शुल्क
3. आँख धुंधला दिखाई देना	नि:शुल्क
4. रेटिनोपैथी (डायबिटिक)	नि:शुल्क
5. ग्लूकोमा (काला मोतिया)	आयुष्मान
6. आँख में चोट / ट्रॉमा	आयुष्मान
7. स्क्विंट (भेंगापन)	आयुष्मान
8. रतौधी आना	आयुष्मान
9. आँख का असमान्य रंग होना	आयुष्मान
10. आँख का ट्यूमर	आयुष्मान

मानसिक रोग

1. डिप्रेशन	नि:शुल्क
2. एंग्जायटी डिसऑर्डर	नि:शुल्क
3. स्किज़ोफ्रेनिया	नि:शुल्क
4.पैनिक डिसऑर्डर	नि:शुल्क
5. नींद की बीमारी	नि:शुल्क
6. डिमेंशिया / अल्ज़ाइमर	नि:शुल्क
7. नशे की लत	नि:शुल्क
8. सेक्स से सम्बंधित समस्या	नि:शुल्क
9. ECT (इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी)	आयुष्मान
10. RTMS (रिपिटेटिव ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन)	आयुष्मान

चर्म रोग विभाग

1.खाज-खुजली (Scabies)	नि:शुल्क
2.दाद / फंगल इंफेक्शन (Ringworm)	नि:शुल्क
3. एलर्जी / रैशेज़	नि:शुल्क
4.फोड़े-फुंसी (Boils)	नि:शुल्क
5.वार्ट्स (मस्से)	नि:शुल्क
6.सोरायसिस (Psoriasis)	नि:शुल्क
7. एक्ज़िमा (Eczema)	नि:शुल्क
8.विटिलिगो / सफेद दाग	नि:शुल्क
9.बाल झड़ना (Hair Fall)	नि:शुल्क
10.गंजापन (Alopecia)	नि:शुल्क

आयुष्मान कार्ड से आईसीयू भर्ती एवं जटिल ऑपरेशन की सुविधा

(बिना कोई अतिरिक्त शुल्क या अतिरिक्त दवाइयों के)

नि:शुल्क डिलीवरी

(नार्मल एवं सीजीरियन दवाइयों के साथ)

फोन : +91 7067183593, +91 9300250037, 07713510000

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बढ़ रहा पारा, सिमट रहा जल

हाईकोर्ट ने भी सरकार से मांगा 536 करोड़ का हिसाब

करोड़ों खर्च के बाद लोगों की प्यास कब बुझेगी

टंकी व पाइप लाइन सूखी

बैकुंठपुर में बांधे जा रहे मवेशी

कोरिया-एमसीबी जिले में जल जीवन मिशन के तहत पंचायत क्षेत्रों में करोड़ों रूपए खर्च कर दिए, लेकिन ज्यादातर पंचायतों में जल जीवन मिशन की टंकी व पाइप लाइन सूखी है। करोड़ों खर्च के बाद लोगों की प्यास कब बुझेगी, ग्रामीण बूंद-बूंद पेयजल को मोहताज हो रहे हैं। यह तस्वीर जनपद पंचायत बैकुंठपुर अंतर्गत कंचनपुर गांव की है, जहां सूखे पाइप पर ग्रामीण मवेशियों को बांधते हैं।

निर्धारित अवधि पूर्ण हो जाने के बावजूद घरों में नहीं पहुंचा पानी

जल जीवन मिशन का 'सूखा सच'... नलों से बंधे मवेशी ठेकेदार लापता और प्यासी टंकियां, अब हाईकोर्ट सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

ग्रामीण इलाकों में पेयजल समस्या की किल्लत को दूर करने के लिए शासन द्वारा 2023 में जल जीवन मिशन योजना शुरू किया गया था। जिम्मेदारों की अनदेखी से निर्धारित अवधि पूर्ण हो जाने के बावजूद घरों में पानी नहीं पहुंचा है। हाल यह है कि मामले में हाईकोर्ट ने भी अब दखल दे दिया है और सरकार से शपथ पत्र में विस्तृत जानकारी मांगी है। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि केंद्र से प्राप्त 536 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग किन-किन कार्यों में किया गया या किया जाएगा, इसका पूरा ब्यौरा शपथ-पत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा कि जल जीवन मिशन के तहत

▶▶|शेष पेज 6 पर

कोर्ट ने कहा- पूरा ब्यौरा शपथ-पत्र से प्रस्तुत किया जाए

पानी की आपूर्ति शुरू किए जाने के लिए कई बार शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका

सूखे पाइप का ऐसे उपयोग

हरिभूमि सरोकार

बिलासपुर में कई ठेकेदार काम छोड़कर भागे

विकास खंड बिल्हा मस्तूरी, तखतपुर के निर्माणाधीन 26 टंकियों में से शत प्रतिशत कार्य किसी का पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने बताया कि अधिकांश जगहों पर अभी तक 60 प्रतिशत कार्य भी पूरा नहीं हो सका है। 31 जुलाई 2025 तक कार्य पूर्ण कर पानी की आपूर्ति होनी थी। कार्य को पूर्ण करने और पानी की आपूर्ति शुरू किए जाने के लिए ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका है। ठेकेदार अधूरा काम छोड़ भाग खड़े हुए है। मटयारी, टिकरी, बिकुली, जेवर, चुमकवा, नवागांव, भांडी,जैसे जगहों पर काम बिलकुल नहीं हो सका है। इससे पानी की आस लगाए बैठे ग्रामीणों में मायूसी छा गई है। मामले में अधिकारियों कहना है कि फंड के अभाव में कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है। इसकी अवधि 2027 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है।

तख्तपुर में टंकी अधूरी पड़ी

क्षेत्र में ग्रामीणों के पानी का सहारा बनने वाली टंकी का निर्माण पिछले 2 वर्ष पहले शुरू किया गया। इसके बाद इसे यूं ही अधूरा छोड़ दिया गया है। मामला पथरिया विकासखंड ग्राम पंचायत कोकड़ी के ग्राम मंझरेटा के वार्ड 10 का है । पिछले 1 वर्ष से अधूरी पानी टंकी ग्रामीणो को चिढ़ा रही है। सांसद विधायक, जिला पंचायत सदस्य के अलावा जन समस्या निवारण शिविर में अधिकारियों से भी इसकी शिकायत ग्रामीणों ने की है पर यह टंकी पिछले 1 वर्ष से अधूरी खड़ी है।

खबर संक्षेप

कर्नाटक लाए गए दक्षिण अफ्रीका से चार चीते

बेंगलुरु। कर्नाटक स्थित बैनरघट्टा जैविक उद्यान ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से दो मादा सहित चार चीतों के यहां पहुंचने की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका के 'इंदुना प्राइमेट एंड पैरट पार्क' से लाए गए ये जानवर वन्यजीव अधिनियम के अनुरूप स्वीकृत पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत शुक्रवार देर रात केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग विस्फोट

मेंढर/जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी के पास एक सीमावर्ती गांव में बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक जवान घायल हो गया, जबकि जंग लगी एक बारूदी सुरंग को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। यह विस्फोट बालाकोट क्षेत्र में सेना के एक दल के गश्ती अभियान के दौरान हुआ, जिसमें एक अग्निवीर घायल हो गया।

नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में राप्ती नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई, जिनके शव शनिवार को राज्य आपदा मोचन बल की टीम ने बरामद कर लिए। घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे मैनाभागर टोला बंजराहा के पास हुई, जहां चार युवक राप्ती नदी में नहाने गए थे। इस दौरान तीन युवक फिसलकर गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे।

पीएम मोदी ने राष्ट्र को किया संबोधित, महिला आरक्षण को लेकर विपक्ष पर बरसे

विपक्ष पर बरसे, कहा- महिलाओं के सपनों को किया जा रहा चकनाचूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात राष्ट्र के नाम अपना संबोधन दिया। पीएम मोदी का यह संबोधन लोकसभा में महिला आरक्षण संबंधी संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के पारित न होने के एक दिन बाद हो रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा, देश की महिलाओं के सपने को कुचल दिया गया है। इसलिए मैं देश के माताओं-बहनों से क्षमाप्राथी हूं।

पीएम मोदी बोले

- मैं देश की सभी महिलाओं से क्षमा मांगता हूं
- विपक्ष ने महिला आरक्षण का विरोध करके पाप किया है
- विपक्ष को इसका निश्चित रूप से दंड मिलेगा
- महिलाओं ने देखा कि कैसे विपक्ष ने स्वार्थ भरी राजनीति का जश्न मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहाकि महिला आरक्षण का विरोध करके जो पाप विपक्ष ने किया है उसकी सजा उन्हें जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का भी अपमान किया है। जनता द्वारा इसकी सजा से भी वो बच नहीं पाएंगे। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक पारित न हो पाने के मामले में विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विधेयक के पारित न होने का जिम्मेदार कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और डीएमके को जिम्मेदार बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि इस विधेयक से किसी का ▶▶|शेष पेज 6 पर

विपक्ष भ्रूण हत्या के गुनहगार

पीएम मोदी ने कहा कि यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम सभी राज्यों की हर राज्य की शक्ति में समान वृद्धि का प्रयास था। यह संसद में सभी राज्यों की आवाज को अधिक शक्ति देने का प्रयास था। राज्य छोटा हो, बड़ा हो, राज्य की आबादी कम हो, ज्यादा हो। सबकी समान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी।

नारी सब भूल जाती है अपना अपमान कभी नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। और नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वह याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था, खुशियां मनाईं थीं।

पीएम मोदी ने विपक्षी दलों को बताया स्वार्थी

जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी ये देखकर बहुत दुख हुआ कि जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं।

महिला आरक्षण बिल गिरने से आक्रोश

राहुल के घर तक मार्च, फूंका पुतला, हिरासत में तीन सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक के पारित नहीं होने पर भाजपा की महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सुनहरी बाग स्थित आवास के पास विरोध मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारियों में भाजपा की महिला सांसद हेमा मालिनी, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, मंजू शर्मा और वात्सल्य गुप्ता शामिल थीं। दिल्ली पुलिस ने तीन भाजपा सांसदों को हिरासत में लिया है।

विपक्षी एकजुटता की जीत हुई: प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे को बदलने का षड्यंत्र था और लोकसभा में इसका गिरना लोकतंत्र, संविधान एवं विपक्षी एकजुटता की जीत है। प्रियंका ने कहा कि सरकार 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा की वर्तमान 543 सीट के आधार पर तत्काल लागू कर सकती है और यदि वह ऐसा करती है तो विपक्ष इसका समर्थन करेगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कल लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत हुई है।

पानी की बौछार का इस्तेमाल

अधिकारियों ने बताया कि राहुल गांधी के आवास की ओर बढ़ रही महिला प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार का इस्तेमाल किया।

वेदांता हादसा

हर दिन बढ़ रहा मौत का आंकड़ा

अस्पताल में भर्ती दो और श्रमिक की मौत, मृतकों की संख्या हुई 23

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर/डभरा

सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता थर्मल पावर प्लांट में बॉयलर फटने से हुए भीषण हादसे मे मृतकों की संख्या 21 से बढ़कर 23 पहुंच चुकी है। रायगढ़ अस्पताल में भर्ती दो और श्रमिकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके अलावा शेष घायलों का अलग-अलग जगहों पर उपचार चल रहा है।

गौरतलब है कि सक्ती जिले के डभरा ब्लॉक अंतर्गत सिंघीतराई में संचालित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार 14 अप्रैल को दोपहर करीब तीन बजे भीषण हादसा हो गया था। यहां बॉयलर का प्रेशर पाइप अचानक फट गया था। इस दौरान घटना स्थल पर ही श्रमिकों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए। ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

बॉयलर ब्लास्ट
10 की मौत 50 से ज्यादा घायल

कलेक्टर भी पहुंचे प्लांट

सक्ती कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने बताया कि सेंट्रल से जांच कमेटी पहुंची थी। कमेटी सुबह कि संयंत्र परिसर में दाखिल हो गई। दोपहर के वक्त कलेक्टर प्लांट पहुंचे, टीम के साथ वे रहे हैं। शाम तक जांच प्रक्रिया चली। इसके बाद अधिकारियों के साथ में सक्ती लौटे हैं। अधिकारियों की टीम रविवार को लौटेगी। इसके बाद प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

अग्रवाल के समर्थन में जिंदल

उद्योगपति नवीन जिंदल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ बॉयलर विस्फोट मामले में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का समर्थन करते हुए कहा कि मामले की पहले जांच होनी चाहिए। साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जिंदल ने घटना में श्रमिकों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की यह त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। 20 परिवारों ने सब कुछ खो दिया है। उचित मुआवजा, परिवारों को आजीविका सहायता और निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

दुर्ग जिले में सबसे अधिक 9296, रायपुर जिले में 5182, बिलासपुर में 4920 मामले लंबित

अफसरों की परीक्षा...सुशासन तिहार 1 मई से 12 दिनों में निपटाने होंगे 93000 राजस्व प्रकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार ने सुशासन तिहार शुरू होने से पूर्व राजस्व प्रकरणों सहित अन्य लंबित प्रकरणों को निपटारा 30 अप्रैल तक किए जाने के निर्देश जिला कलेक्टरों को दिए हैं। अब जिला प्रशासन की परीक्षा है कि आने वाले 12 दिनों में 93 हजार से अधिक लंबित राजस्व प्रकरणों का निपटारा किस प्रकार करते हैं। औसत रूप से देखा जाए तो हर दिन करीब 7700 मामलों का निपटारा करना होगा। जिलों में सीमांकन, बंटवारा और ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

रोजाना 7700 से अधिक मामलों को निपटाना होगा, इनमें कुछ मामले सालों से पेंडिंग

मुख्यमंत्री करेंगे औचक निरीक्षण

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन का औचक निरीक्षण करेंगे तथा हितग्राहियों से फीडबैक लेंगे। इसके साथ ही जिला मुख्यालयों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। वहीं अभियान के दौरान मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण, मुख्य सचिव एवं प्रभारी सचिव समय-समय पर शिविरों में शामिल होकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। और आमजन से संवाद करेंगे।

दुर्ग में सबसे अधिक, रायपुर दूसरे नंबर पर

बताया गया है कि प्रदेश में भूमि संबंधी प्रकरणों के साथ ही राजस्व के मामले बड़ी संख्या में लंबित है। इनमें दुर्ग जिले में सबसे अधिक 9296, रायपुर जिले में 5182, बिलासपुर में 4920, रायगढ़ में 4884, राजनांदगांव में 3960 राजस्व प्रकरण लंबित है। प्रदेश में 93 हजार 788 प्रकरण लंबित हैं। राजस्व वैसे देखा जाए तो इन प्रकरणों में पूरे राज्य में नामांतरण के 24 हजार 143, बंटवारा के 7534 और सीमांकन के 5372 प्रकरण लंबित हैं। सुशासन तिहार के दौरान राजस्व और भूमि संबंधी विवादों पर ग्रामीणों का फोकस अधिक होता है। ऐसे प्रकरणों में त्वरित रूप से निर्णय लेना कठिन होता है। राजस्व अधिकारियों को तय समय में इन प्रकरणों का निराकरण करना होता है।

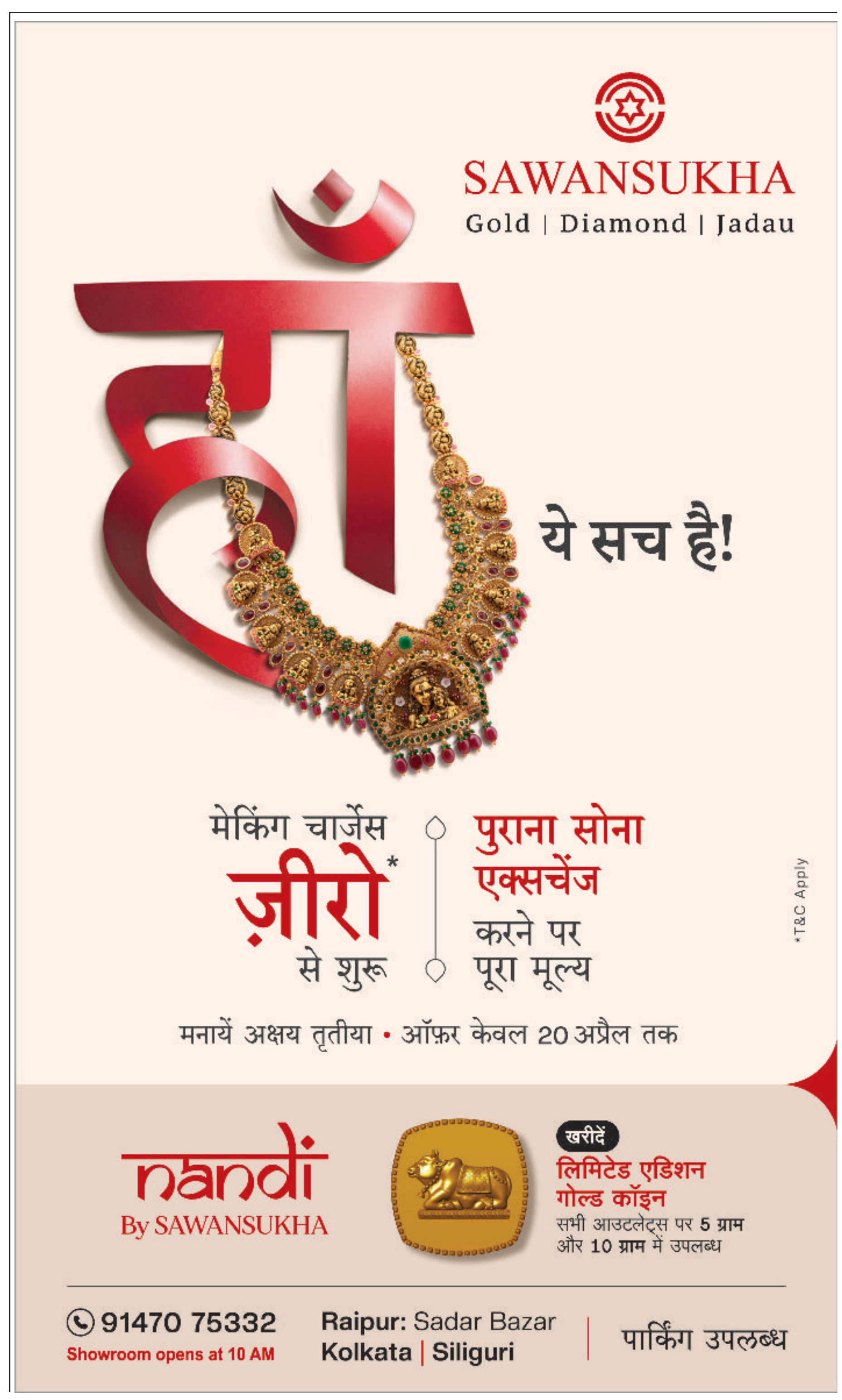

देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एक बार फिर अटक गया है। यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

विश्लेषण
डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ स्तंभकार

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। इस कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी खासी रुचि थी। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है।

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर खूब चर्चा बटोरने वाला महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। बिल के समर्थन में 298 और असहमति में 230 वोट पड़े। देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए इस बिल को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। ध्यातव्य है कि महिला आरक्षण कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। बिल पर हुई 21 घंटे की गहन चर्चा में कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखे, इनमें 56 महिला सांसद भी थीं। वोटिंग के बाद परिणाम स्त्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े बिल के पास न होने के रूप में सामने आया। सरकार की ओर से 'नारी शक्ति वंदन' मुहिम के तौर पर जनमानस तक पहुंचाए गए बिल को लेकर समझाया गया कि यह देश की आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने वाला कदम है।

निराशाजनक रहा नतीजा

सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित संशोधनों के अंतर्गत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने एवं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किए जाने की योजना थी।

कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एकबार फिर अटक गया है। देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय में आया यह अटकाव आमजन को भी हैरान-परेशान करने वाला है। यहां तक कि कई महिला सांसदों और समर्थकों ने भी इस बाबत निराशा और आक्रोश जताया है। इस मायूसी की अहम वजह यह है कि देश के सियासी परिदृश्य में हर स्तर पर ही महिलाओं की भागीदारी आज भी बहुत कम है।

धरातल पर नहीं उतरा आरक्षण

यह बिल 2029 के आम चुनाव से पहले स्त्रियों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना का हिस्सा था। ज्ञात हो कि फिलहाल सदन में 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। बावजूद इसके 2023 में मिला 33 फीसदी आरक्षण का कागजी अधिकार धरातल पर नहीं उतर सका। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा महिला आरक्षण बिल, ये सिर्फ एक बिल नहीं है, ये देश की दिशा और दशा बदलने वाला बिल है। पीएम ने परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किए जाने का विश्वास दिलाते हुए इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह के साथ भेदभाव करेगी। साथ ही यह भी जोड़ा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संतुलन साधने के प्रयासों के बीच हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में बड़े बदलाव की आहट को ठेस तो लगी ही है। साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, स्त्री जीवन से जुड़े हर पक्ष पर इसका असर होगा। गौरतलब है कि इस बिल के साथ परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक भी जुड़े थे।

सियासी खेल का खामियाजा

महिला आरक्षण के साथ ही एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए भी आवश्यक था। ऐसे में मुख्य संविधान संशोधन बिल के गिर जाने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया। हालांकि सरकार ने आगे भी इस बिल को लाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही है।

स्पष्ट है कि परिसीमन से जुड़ी सरकार की मंशा हो या विपक्ष का संदेह, महिलाओं को इस सियासी खेल का खामियाजा उठाना होगा। आखिर क्यों और कब तक मतदान के लिए लंबी कतारों में दिखने वाली आधी आबादी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने में पीछे रहे? हालिया वर्षों में शिक्षा और सजगता की बदौलत राजनीतिक सक्रियता के मोर्चे पर स्त्रियों की भागीदारी में बढ़ने की तुलना और सत्ता की बागडोर संभालने के मामले में स्त्रियों के आंकड़े बेहद कम हैं।

जबकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चे पर बेहतरी से जोड़कर देखने वाला पहलू है। इतना ही नहीं, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व केवल संख्या बल भर नहीं होता। महिलाओं का संसद में पहुंचना स्त्रियों की समस्याओं को मुखर स्वर मिलने जैसा है। इतना ही नहीं, चुनावी मैदान में उतरने से लेकर जीत हासिल करने तक महिला जनप्रतिनिधियों को भी अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधी आबादी के आगे बढ़ने की राह में पहले से ही कई बाधाएं मौजूद हैं।

हमारे देश की आबादी का 48.5 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं। स्त्रियां हमारे सामाजिक- पारिवारिक जीवन की धुरी हैं। आर्थिक मोर्चे पर आज भी आत्मनिर्भर महिलाओं के आंकड़े कम हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दे भी बहुत हद तक उपेक्षित ही हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कुल मिलाकर यह समझना मुश्किल नहीं कि भारतीय समाज में स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति उनकी राजनीतिक भागीदारी से भी जुड़ी है। ऐसे में महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और आमजीवन से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए गंभीर मंथन की सख्त आवश्यकता है।

साफ नीयत से लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम

उम्मीद
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयकों परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। यह संशोधन बिल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। जिस तरह इस बिल को लेकर चर्चा गर्म है, क्या उसको लेकर पक्ष-विपक्ष उतना गंभीर है? शायद नहीं, चूंकि यदि ऐसा होता तो यह बिल पास हो चुका होता। भारतीय राजनीति में केवल उन महिलाओं को मौका दिया जाता है, जिनका राजनीतिक बैकग्राउंड होता है या फिर वह सेलिब्रिटी होती हैं। कार्य के बल आज तक किसको कितना मौका मिला है, यह स्पष्ट है लेकिन हमारी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से भारी रहा है। यदि उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो मुलायम सिंह यादव के परिवार को देख लो। इनके परिवार में 25 से अधिक सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, शिवपाल सिंह यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव प्रमुख हैं। विडंबना देखिए कि इतने बडे परिवार में कितने लोग है जो राजधानी के लिए योग्य है। शायद दस प्रतिशत भी नहीं, लेकिन विरासत मिली चीजों को लोग अक्सर अपना व्यापार मान लेते हैं। इसके अलावा एक बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव के परिवार के रूप में भी समझा जा सकता है। उनके दोनों तेज प्रताप यादव व तेजस्वी यादव जो विरासत में राजनीति लेकर पैदा हुए हैं लेकिन इनके लिए भी सवाल यही उठता है कि उनकी शिक्षा व राजनीतिक समझ कितनी है, यह किसी से छुपा नही है, फिर भी वह राजनीति में अपना स्थान बनाए हुए हैं। अब यदि बात महिलाओं की जाए तो उनके लिए राजनीति में कितनी जगह है, क्या उनकी कार्य की योग्यता को मौजूदा नेता स्वीकार कर पाएगें। किसी आम कार्यकर्ता को सांसद,विधायक या पार्षद तक की सीट आसानी से मिलना संभव है। बहुत मुश्किल कार्य है। बीते शुक्रवार को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और 'इंडी' गठबंधन बहस करने के लिए नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए एक अहम संविधान संशोधन बिल को पास होने से रोकने के लिए एक साथ आए। उसे न सिर्फ खारिज किया गया, बल्कि जीत के नारों के साथ उसका जश्न भी मनाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ था, चूंकि विपक्ष यहां यह बात नहीं समझ पाया कि इससे किसी पार्टी का फायदा-नुकसान या हार-जीत नहीं मिलती, इससे महिलाओं की भागीदारी से देश का उत्थान होने में मदद मिलेगी। बहरहाल, आज आधी आबादी को उनके हक चर्चाओं व सोच से क्या वाकई उनको स्थान मिलेगा, यह तो समय के साथ देखा जाएगा, लेकिन महिलाओं के प्रति अपनी नजरिया स्पष्ट करके उनको देखा जाए तो देश की तस्वीर बदल सकती है। किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है। भारतीय राजनीति में पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, स्वतंत्रता सेनानी, गवर्नर सरोजिनी नायडू,पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बनर्जी और मायावती जैसी महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। इन सभी महिलाओं ने अपने जिद व जुनून से भारतीय राजनीति में अपने आप को स्थापित किया। चूंकि इनमें से अधिकतर ने अपना वजूद खुद तय किया। इसलिए महिलाओं को आरक्षण को लेकर सभी को गंभीर होना चाहिए,यदि वाकई सबकी नियत साफ है तो कुछ प्रतिशत तो निश्चित तौर पर रिजर्व होना चाहिए जिससे बदलाव व देश के उत्थान के लिए महिलाओं की सोच से मिलकर देश आगे बढ़े। परिवर्तन संसार का नियम है और शायद अब भारतीय राजनीति को भी इसे अपना लेना चाहिए। ऐसे मामलों को लेकर पक्ष-विपक्ष अपनी विचारधारा साफ करे।

किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है।

महिलाओं को हक दिलाने पर सरकार अडिग !

चिंतन
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल संसद के विशेष सत्र में आखिरकार गिर गया, जिसे चिंता का विषय कहा जा सकता है। करीब 21 घंटों की चर्चा के बाद भी संविधान के 131वां संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सरकार सदन में मौजूदा सदस्यों की दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सकी। इसमें लोकसभा में सीटें 850 करने और महिला आरक्षण को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि महिलाओं को हक दिलाकर रहेगी, जबकि विपक्ष ने कहा कि यह महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश थी। जनता द्वारा चुनकर देश की विधानसभाओं या संसद में पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। देश और समाज के लिए विधानसभा और लोकसभा के जरिए जनप्रतिनिधित्व की यह ताकत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं की भागीदारी विधानसभा और संसद में कम होती है तो यह चिंता का विषय है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। यह सच्चाई है कि आज आधी-आबादी का प्रतिनिधित्व दोनों स्तरों पर कम दिखाई देता है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, यानी कुल 543 सीटों का मात्र लगभग 14 प्रतिशत। कई राज्य विधानसभाओं का औसत तो इससे भी नीचे है। ऐसे में राजनीतिक रूप से महिलाओं को आरक्षण मिलना जरूरी है। शायद यही कारण है कि देश में बराबरी का दर्जा की बात करने के बावजूद महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान का रास्ता प्रशस्त नहीं दिखाई पड़ता।लोकतंत्र का मतलब सिर्फ बहुमत का शासन नहीं बल्कि सभी वर्गों को समान अवसर देना है। जब आधी आबादी की भागीदारी अधिकतम 14 प्रतिशत तक सीमित हो तो नीति निर्माण एक तरफ हो जाता है, इसलिए उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनकी भागीदारी को संतुलित करने का यह कारगर उपाय हो सकता है। यह सच है कि आजादी के 78 साल बाद भी सामाजिक, सांस्कृतिक बाधाएं आर्थिक निर्भरता और पुरुष प्रधान सोच के कारण महिलाओं को टिकट नहीं मिल पातीं। आज पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद 1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 वाकई एक ऐतिहासिक कदम रहा है, जब सितंबर 2023 में संसद में 128वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का कानून पारित किया। यह आरक्षण एससी-एसटी कोटे के भीतर भी 33 प्रतिशत उप आरक्षण प्रदान करेगा। हालांकि तीन साल बाद इस पुराने कानून को सरकार ने लागू कर दिया है। इसी कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ था। गौरतलब है कि पहले से ही इसकी दो शर्तें रही हैं- यह अगली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और लागू होने के 15 साल बाद इसकी समीक्षा होगी यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके लागू होने की पूरी संभावना बताई गई थी। यह तय है कि इसके लागू होने से कई तरह के बदलाव भी दिखेंगे। जैसे कि नीति निर्माण की दिशा में मातृत्व लाभ, पोषण, शिक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, घरेलू हिंसा कानून आदि पर सख्ती जैसे विषय संसद के केंद्र में आएंगे। घर-परिवार संभालने वाली महिलाएं जमीनी मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा पाएंगी। पार्टियों को महिला कैडर तैयार करने जैसा उनकी मजबूरी हो जाएगी, वहीं टिकट बंटवारे में परिवारवाद और भाई- भतीजावाद घटेगा। इससे पार्षद पति, सरपंच या मुखिया पति की अवधारणा भी घटेगी। महिलाओं को अवसर दिए जाने के बाद ही उनकी क्षमताओं का आकलन करना उचित होगा। परिसीमन से हालांकि पुरुष वर्गों की कई सीटें खतरे में पड़ सकती हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी के हिसाब से यह सही कदम होगा। इसलिए महिला आरक्षण जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो अगला दशक भारतीय लोकतंत्र के लिए निर्णायक होगा।

1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

देश की आधी आबादी की आवाज़ को अभी और इंतज़ार

चुनौती
रेखा शर्मा
राज्यसभा सांसद, हरियाणा

आज भारतीय संसद का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। हर बार की तरह इस बार भी संसद ने देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, कई निर्णय लिए और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया। सरकार ने अनेक अवसरों पर विपक्ष के अनुरोधों का सम्मान किया, संवाद के लिए अतिरिक्त समय दिया और सहमति बनाने का निरंतर प्रयास किया।

यह लोकतंत्र की वही परंपरा है जो मतभेदों के बीच भी संवाद को जीवित रखती है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। एक महिला सांसद होने के नाते इस सत्र की समाप्ति मेरे लिए केवल संसदीय कार्यवाही का समापन नहीं है। यह एक गहरी भावनात्मक कसक का क्षण भी है, क्योंकि इस बार अधूरी रह गई उम्मीद केवल एक विधेयक की नहीं थी, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व के अधिकार की थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानूनी प्रस्ताव नहीं था। यह उन करोड़ों बेटियों की आशा था, जो लोकतंत्र में अपनी भागीदारी को और सशक्त होते देखना चाहती हैं। यह उन माताओं का विश्वास था, जिन्होंने हमेशा समाज और परिवार को दिशा दी, लेकिन निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में उनकी भागीदारी अब भी सीमित रही। यह उन युवा छात्राओं का सपना था, जो राजनीति को केवल देखने नहीं, बल्कि उसे दिशा देने का साहस रखती हैं। यह उन लाखों महिलाओं की आकांक्षा का प्रतीक था, जो पंचायतों और स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर चुकी हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी का विस्तार चाहती हैं। इस सत्र के दौरान सरकार ने विपक्ष की अनेक मांगों और सुझावों को स्वीकार करते हुए सहमति बनाने का वातावरण तैयार करने की पूरी कोशिश की। लोकतंत्र संवाद से चलता है, और संवाद के लिए सरकार की ओर से निरंतर प्रयास भी हुए, लेकिन जिस प्रकार से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का यह ऐतिहासिक अवसर आगे नहीं बढ़

सका, उसने देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को प्रतीक्षा में छोड़ दिया है। यह केवल एक प्रक्रिया का रुकना नहीं था, यह एक भावनात्मक अपेक्षा का ठहर जाना था। सोचिए, यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती तो 2029 का भारत कैसा होता? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी दिखाई देती। नीति निर्माण की प्रक्रिया में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक समावेशन की नई दिशा मिलती। सबसे महत्वपूर्ण बात देश की बेटियों को यह संदेश मिलता कि उनका लोकतंत्र उन्हें केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता के रूप में भी स्वीकार करता है। यह संदेश आने वाली पीढ़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान, सेना, खेल, शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे समय में संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या बढ़ाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा होना चाहिए था।

यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। मुझे यह कहते हुए पीड़ा हो रही है कि यह अवसर केवल एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह गया, जबकि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन सकता था। यह वह क्षण था, जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह संदेश देने का अवसर था कि भारत केवल संख्या में नहीं, बल्कि सहभागिता में भी सबसे आगे है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक हर महत्वपूर्ण परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज यह प्रतीक्षा है, लेकिन यह प्रतीक्षा निराशा नहीं है। यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है। यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संतुलन की मांग है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आवाज़ और मजबूत होगी, और वह दिन अवश्य आएगा जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में सामने आएगी। क्योंकि यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है। यह सम्मान का प्रश्न है, यह समान अवसर का प्रश्न है, और यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

सियासी महाकुंभ में समाजवाद

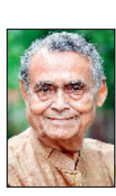

जिरहनामा
कनक तिवारी

आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री और समाजवादी नीतीश कुमार का पतन सहयोगी बनते साजिशी दोस्तों ने करा ही दिया। तीन दशकों तक नीतीश ने खुद को राज्य बल्कि केन्द्र की राजनीति के दिशानिर्देशक की तरह दांव पेंचों के साथ सक्रिय तो रखा था। हासिल यह है कि बिहार में पहले उनके साथ रहे फिर कभी छिटके दूसरे बडे समाजवादी नेता लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की हालत लचरपचर हो गई है। समाजवादियों का गढ़ बिहार दक्षिणपंथी राजनीति के चंगुल में है। उत्तरप्रदेश में अलबत्ता अभी अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्ष है। इसके अलावा देश में समाजवाद के कुछ नामलेवा छोटे छोटे चिराग हैं। जो अंधेरे से लड़ने की कोशिश में जुगनुओं की तरह राजनीति के जंगल में भटकते गिरते पड़ते दिखाई देते हैं।

दरअसल समाजवाद एक विचार जिसका भारत ही नहीं दुनिया की राजनीति से बहुत कुछ लेना देना है। कई देश सफल होकर समाजवादी रहे हैं। अब भी कहीं ना कहीं समाजवाद उन देशों की सत्ता की राजनीति में खदबदा रहा है। इस व्यापक और लचीली परिभाषा में साम्यवाद शब्द को भी शामिल कर लेना चाहिए। थोड़े से तरह के हलफे के बावजूद उनका रास्ता एक तरह का है। हालांकि कम्युनिस्टों की चूलें अब ढीली हो गई हैं। कोई देश अब पूंजीपतियों के चंगुल से बाहर नहीं हैं। चाहे रूस और चीनी क्यों न हों। भारत की राजनीति में समाजवाद एक उदार और साफ सुथरा चेहरा लिए दशकों तक अपना भविष्य ढूंढ़ा करता। उम्मीदों के दिए की तरह टिमटिमा रहा था। इतिहास कभी कभी असली जननायकों को अंधेरे में ठेल देने की खलनायकी नहीं छोड़ता। राजनीतिक बियाबान में सबसे पहले तो 23 बरस के क्रांतिकारी शहीद भगतसिंह ने देश को नारा दिया था कि हर हाल में भारत में समाजवाद को लाना है। उससे कमतर कोई विकल्प नहीं। कोई समझौता नहीं। देश में निजी उद्योगपतियों को फलने फूलने नहीं देना चाहिए। वरना ये जनता का खून चूसेंगे। उसी इतिहास ने अपने मुंह से कबूला कि भगत सिंह ने भविष्यवाणी की थी उस पर इतिहास को शर्मसार रहना पड़ेगा।

समाजवाद का जब सियासत में एक तरह से उद्दाम था। तब भारत की संविधान सभा में संविधान के मकसद पर नेहरू ने अप्रतिम भाषण दिया था। लेकिन उस भाषण में उन्होंने संविधान में शब्द के रूप में 13 दिसंबर 1946 को दुर्भाग्य से समाजवादी शब्द का उल्लेख नहीं किया। संविधान नियंता बाबा साहब ने 17 दिसंबर 1946 को कहा था कि पंडित जी तो एक समाजवादी की हैसियत से मशहूर हैं। लेकिन समाजवाद का उल्लेख नहीं करने से मुझे बड़ी निराशा हुई है। उसके बाद तो एक बाढ़ सी आ गई। विशंभर दयाल त्रिपाठी, दामोदर स्वरूप सेठ, काजी सैयद करीमुद्दुद्दीन और सबसे बढ़कर के0 टी0 शाह ने हमलावर भाषण दिया कि समाजवाद को क्यों नहीं साफ साफ लिखा जाता। वरना भारत की आजादी का कोई अर्थ नहीं है। ये दुर्भाग्य है कि समाजवाद शब्द भारत में गरीबी, जाति प्रथा और स्त्रियों के साथ होने वाले अत्याचारों की फेहरिश्त में काफी दिनों से है। जितनी समाजवादी पार्टियां भारत में बनी बिगड़ीं और बार बार बनती और बिगड़ती रहीं। उससे राजनीति के इतिहास से ज्यादा गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड का सरोकार रहा है। बिड़ला, टाटा, डालमिया और तमाम उद्योगपति संविधान सभा की कार्यवाही में इस तरह हावी थे कि उनकी उपेक्षा करना संविधान सभा के लिए संभव ही नहीं था। वरना देश में आर्थिक भूचाल आ जाता।

एक बेहद गरीब लेकिन उम्मीदों से भरपूर नेहरू सरकार के मुखिया इंगलैंड के फेबियन समाजवाद से प्रभावित थे। हेराल्ड लास्की, ऑल्डस हक्सले और न जाने कितने विचारक उस वक्त नेहरू के जेहन में दाखिल हो गए थे। जब वे इंगलैंड में बैरिस्टरी की पढ़ाई कर रहे थे। तब भी नेहरू ने यह कहा था कि समाजवाद लाकर भी मिश्रित अर्थव्यवस्था को चलाना पडेगा। वरना देश आगे नहीं बढ़ेगा। इस नेहरू और इंग्लैंड ने एक के बाद एक राजाओं की ही थैली और विशेषकर जमीदारी उन्मूलन और कई निजी उद्योगों का खुले आम राष्ट्रीयकरण किया। यह एक कहानी है। कहने को इतिहास में विवेकानन्द ने सबसे पहले यह कहा कि मैं समाजवाद में विश्वास करता हूं। उन्होंने यहां तक भविष्यवाणी की थी कि भविष्य में समाजवाद का झंडा सबसे पहले रूस में और उसके बाद चीन में बुलंद होगा। रूस के प्रसिद्ध विचारक पीटर क्रोपाटकिन के साथ बैठकर विवेकानन्द ने समाजवाद की आर्थिक संरचना पर लंबी बातचीत की थी। वहीं गांधी ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए भी यही कहा था कि मैं समाजवादी हूं। हालांकि इसका तार्किक खंडन प्रसिद्ध समाजवादी मधु लिमये ने अपने एक लंबे लेख में किया था। बड़ी भूमिका तो जयप्रकाश नारायण और लोहिया की रही है। जिन्हें काफी वक्त तक नेहरू का समर्थन मिला। बाद में धीरे धीरे समाजवादी कांग्रेसी सरकार बनने पर पुराने जर्जर ब्रिटिश हुकूमत के ढांचे को गिराने के लिए अलग पार्टी बनाकर रुखसत हो लिए। अगर उनमें से कुछ को संविधान सभा में रखा जाता। तो शायद संविधान का चेहरा कुछ अलग हो सकता था।

बात मौजूदा राजनीति की है। नीतीश ने समाजवाद की पीठ पर अपनी दयनीय हालत के कारण छुरा तो घोंपा है। सत्ता की राजनीति में वे भाजपा के सहयोगी बार बार बने और वहां वहां तभी तक टिके जब तक उनकी सत्ता बरकरार रही। समाजवाद लेकिन पूरे विश्व के भी संदर्भ में इतिहास के रूदन का विषय रहा। छत्तीसगढ़ में ही पुरुषोत्तम कौशिक, कमलनारायण शर्मा और मदन तिवारी जैसे कई उद्दाम चेहरे हैं। जो समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर हर वक्त लामबंद रहे हैं। उन्होंने भी कोई सिद्धांतविहीन समझौता नहीं किया। अब लगता नहीं कि भारत की अंधभक्ति व्हाट्सएप विश्वविद्यालय की दिशा भटकी युवा पीढ़ी को राजनीति का ककहरा पढ़ने की भी तमीज भी है। समाजवाद एक बिकी हुई सल्तनत है जो केवल यादों में दफ्न की जा सकेगी। कभी जमाना था जब समाजवादी अपनी असल औकात के लिए सत्तामहल को गिराने नहीं लेकिन हिला देने के लायक थे। नीतीश का अवसान निजी नहीं है। वे अपने साथ एक विचारधारा को पाटलिपुत्र में ले डूबे। धार्मिक कुंभ तो प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार वगैरह में होते रहे हैं। भारतीय राजनीति का सियासी महाकुंभ नीतीश ने पुरोहित बनकर पाटलीपुत्र में कर ही दिया। अब आगे बहती विचारगंगा में समाजवाद की गुंजाइश नहीं हैं। माक्स कभी प्रेरक था। अब तो उसको हर तरह के प्रसंग से बाहर भी निकाला जा सकता है। कई नेता रहे जो समाजवाद का चोला ओढ़े भटकते रहे। इनमें जॉर्ज फर्नांडीस ने टेड यूनियन नेता होकर गफलतें कीं। समाजवाद त्रासदी की कहानी है। नीतीश पुराण का तात्विक अर्थ केवल व्यक्तिगत कहानी नहीं है और न ही उनके कथित मानसिक पागलपन की। वर्षों से चले आ रहे संघर्ष की इतिहास की ऐसी भी परिणति होती है। जिस गांधी ने आजादी के आंदोलन की अगुवाई की। उसकी ही पार्टी ने आजादी के दिन से ही उसकी निजी उपेक्षा की। जो नीतीश कथा के समानान्तर की तरह है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

झुलस रहे जंगल

18 दिन में 4000 जगह पर आग, महुआ बीनने वालों पर शक

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/बिलासपुर

भीषण गर्मी में महुए के सूखे पत्तों को आग लगाने के कारण पूरे जंगल को नुकसान पहुंच रहा है, वन विभाग के अफसर और स्टाफ बुझा तो रहे हैं परंतु इस आग से हरे-भरे पेड़ों के साथ छोटे-छोटे पौधे भी जलकर खाक हो रहे हैं। इस आग से वन्य प्राणियों को भी नुकसान हो रहा है। बीते 18 दिन में 4000 हजार जगह आग लगी है। इनमें सबसे अधिक बस्तर में आगजनी हुई है। बीजापुर के टेरिटोरियल क्षेत्र में 1 हजार 812 तथा वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्टिव एरिया में 1 हजार 851 आगजनी की घटनाएं शनिवार तक सामने आई है। इसी तरह से बिलासपुर सर्किल के नौ डिवीजन के 122 से अधिक स्थानों पर आगजनी की घटना हुई है। आग से सबसे ज्यादा प्रभावित एरिया बस्तर अंचल के वनक्षेत्र है। बस्तर अंचल के सात डिविजन के साढ़े तीन हजार से ज्यादा जगहों पर आग लगी है। बिलासपुर वन वृत्त में बिलासपुर, ▶▶|शेष पेज 6 पर

वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्ट एरिया में सबसे ज्यादा आग

बेकाबू आग को रोकने सभी दावे फेल, अफसरों ने कहा लोग लगा रहे

इस कारण से बस्तर जल रहा

ग्रामीण महुआ बीनने के लिए समय बचाने सूखे पत्तों तथा घास में आग लगा देते है। हवा की वजह से आग तेजी से फैल जाती है। समय पर आग पर काबू नहीं पाने पर आग जंगल को अपनी चपेट में ले लेता है। वन विभाग के अफसरों के मुताबिक आग पर काबू पाने वन से सटे गांव के लोगों को फायर वाचर बनाते हैं। इसके अलावा फील्ड कर्मियों की तैनाती की जाती है। बावजूद इसके जंगल में आग के बेकाबू होना चिंता का विषय है।

18 दिन में चार हजार से ज्यादा आगजनी

जंगल में आग लगने की सबसे ज्यादा घटना अप्रैल के 18 दिन में हुई है। जंगल में इस वर्ष कुल आगजनी की घटना 9890 हुई है। पिछले वर्ष पूरे सीजन में जून तक 19 हजार 63 अगजनी की घटनाएं हुई थी। उनमें आधे से ज्यादा आगजनी की घटनाएं अप्रैल में हुई हैं। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप बढ़ने से आगजनी की घटनाएं और ज्यादा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

होर्मुज में दो जहाजों पर फायरिंग, ईरान बोला- हमारी मंजूरी के बिना एंट्री नहीं

भारतीय जहाजों को लौटना पड़ा, भारत ने ईरानी राजदूत को किया तलब

एजेंसी ▶▶| काहिरा

होर्मुज में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की ओर से कथित गोलीबारी के बाद भारतीय जहाजों को अपना रास्ता बदलकर लौटना पड़ा। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब कुछ ही दिन पहले इस अहम समुद्री मार्ग को अस्थायी रूप से खोला गया था। इस पूरे घटनाक्रम ने वैश्विक तेल सप्लाई, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी दोहरी घेराबंदी शनिवार को एक अनिश्चित और खतरनाक स्थिति में पहुंच गई। एक ओर जहां अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी करने के अपने अभियान को और तेज़ कर दिया है, वहीं दूसरी ओर ईरान ने जलमार्ग खोलने के अपने शुरुआती कदम को वापस लेते हुए वहां से गुजरने की कोशिश कर रहे दो जहाजों पर गोलीबारी कर दी। इस महत्वपूर्ण सामरिक जलमार्ग को लेकर बनी असमंजस की स्थिति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे ऊर्जा संकट के और गहराने और दोनों देशों को फिर से संघर्ष की ओर धकेलने का खतरा पैदा कर दिया है, जबकि मध्यस्थ इस बात पर विश्वास जता रहे थे कि एक नया समझौता ▶▶|शेष पेज 6 पर

कच्चा तेल लेकर जा रहा था भारतीय जहाज

दो भारतीय जहाज जग अर्नव और सन्मार हेराल्ड इस घटना में शामिल थे। इनमें से जग अर्नव, जो लगभग 20 लाख बैरल इराकी कच्चा तेल लेकर जा रहा था, पर फायरिंग की गई। दूसरा जहाज पास में मौजूद था, लेकिन उसे निशाना नहीं बनाया गया। घटना के बाद दोनों जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से वापस लौटने का फैसला लिया।

ईरानी राजदूत तलब

इस घटना को लेकर भारत ने ईरान के राजदूत को तलब किया है और कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। सूत्रों के अनुसार, दो भारतीय झंडे वाले जहाजों पर फायरिंग की खबर के बाद भारत ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। सरकार ने ईरान से इस घटना पर स्पष्टीकरण मांगा है।

ईरान की 'गनबोट' ने होर्मुज में टैंकर पर की गोलीबारी

ईरान बोला- लेनी होगी इजाजत

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर व्यापारिक जहाज को आईआरजीसी की नौसेना से इजाजत लेनी होगी। ईरान के इस आक्रामक कदम के बाद अमेरिका के साथ तनाव फिर चरम पर है।

ट्रंप बोले- ईरान नहीं कर सकता ब्लैकमेल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट पर दोबारा प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान अमेरिका और दुनिया को ब्लैकमैल नहीं कर सकता। ओवल ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, हम उनसे बात कर रहे हैं। वे जलडमरूमध्य को फिर से बंद करना चाहते हैं। जैसा कि वे वर्षों से करते आ रहे हैं। और वे हमें ब्लैकमेल नहीं कर सकते।

खबर संक्षेप

हज के लिए कश्मीर से रवाना हुआ पहला जत्था

श्रीनगर। हज यात्रा के लिए 431 जायरीनों का पहला जत्था शनिवार को जम्मू कश्मीर से सऊदी अरब के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उन्हें हवाई अड्डे पर विदा किया। हज यात्रियों में 230 पुरुष और 201 महिलाएं शामिल हैं, जो तीन उड़ानों में सऊदी अरब के लिए रवाना हुए। सुचारू प्रस्थान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए बेमिना स्थित हज हाउस में व्यवस्थाएं कर दी गई हैं।

सीबीआई ने डाक अधीक्षक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने शनिवार को राजधानी में एक डाक अधीक्षक को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी को शिकायतकर्ताओं से 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। उसने 17 अप्रैल को मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं से दूसरी शाखा में स्थानांतरण को रोकने और उनकी छुट्टी मंजूर करने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

चौधरी 24 को हासिल करेंगे विश्वास मत

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए की नई सरकार 24 अप्रैल को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेगी। जुलाई में होने वाले मानसून सत्र से पहले यह एक दिवसीय सत्र होगा। चौधरी ने 15 अप्रैल को बिहार राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। राज्य में भाजपा के किसी सदस्य ने पहली बार मुख्यमंत्री का पद ग्रहण किया है। चौधरी ने नीतीश कुमार की जगह ली है।

कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला

केंद्रीय कर्मचारियों को सौगात दो फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल ने शनिवार को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) दो प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया। इससे केंद्र सरकार के लगभग 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महंगाई भत्ते और महंगाई राहत, दोनों में वृद्धि के कारण सरकारी खजाने पर कुल 6,791.24 करोड़ रुपए सालाना का बोझ पड़ेगा।

मिलेगा 3 महीने का एरियर

केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में 2 पर्सेंट की बढ़ोतरी जनवरी महीने से प्रभावी हो जाएगा। कहने का मतलब है कि अप्रैल के महीने में केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में जनवरी, फरवरी और मार्च महीने का डीए, एरियर के तौर पर मिलेगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कर्मचारी संगठन प्रस्तावित 8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी स्ट्रक्चर में बड़े बदलावों की मांग कर रहे हैं।

क्यों बढ़ाया गया डीए?

डीए में बदलाव महंगाई से जुड़े होते हैं और आमतौर पर साल में दो बार अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर इनमें बदलाव किया जाता है। हाल में हुई यह बढ़ोतरी बढ़ती हुई जीवन-यापन की लागत को दिखाती है और इसका मकसद सरकारी कर्मचारियों और पेंशन पाने वालों की असली आय को सुरक्षित रखना है।

कोल घोटाला के प्रमुख आरोपियों में विश्नोई का नाम शामिल

कोल स्कैम में निलंबित आईएएस समीर विश्नोई की चार करोड़ की संपत्ति अटैच

रायपुर। कोल घोटाला के प्रमुख आरोपियों में से एक निलंबित आईएएस समीर विश्नोई तथा उनके परिवार से जुड़े अन्य सदस्यों की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में उनकी चार करोड़ रुपए की नौ संपत्तियां ईओडब्लू, एसीबी ने अटैच की है।

जांच एजेंसी ने यह संपत्ति विशेष न्यायालय के निर्देश पर अटैच की है। समीर विश्नोई के कोल लेवी स्कैम में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूर्व में पांच अचल सम्पत्तियों की प्रोविजनल अटैचमेंट की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद राज्य की जांच एजेंसी ने निलंबित आईएएस की संपत्ति अटैचमेंट की कार्रवाई की है। कोर्ट ने एसीबी, ईओडब्लू के आवेदन पर संपत्ति अटैचमेंट करने का आदेश शुक्रवार को जारी किया है। संपत्ति अटैचमेंट का आदेश जारी होने के बाद निलंबित आईएएस उक्त संपत्ति का प्रकरण समाप्त होने के पूर्व तक बिक्री नहीं कर सकता। गैरतलब है कि इसके पूर्व भी राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अफसर सौम्या चौरसिया की अवैध अचल सम्पत्तियों की भी कुर्की की कार्रवाई राज्य की जांच एजेंसी ▶▶|शेष पेज 6 पर

इन संपतियों के अटैच करने की चर्चा

कोर्ट ने निलंबित आईएएस की जिन संपत्तियों को ईओडब्लू, एसीबी को अटैच करने आदेश जारी किया है, उनमें बताया जा रहा है, समीर विश्नोई ने घोटाले की कमाई से अपनी पत्नी तथा अन्य परिजनों के नाम पर तीन से चार फार्म हाउस खरीदी की है। चर्चा है कि निलंबित आईएएस अधिकारी ने महासमुंद में 22 एकड़ ▶▶|शेष पेज 6 पर

कारोबारी की एक्सीडेंट में मौत अंगदान कर बचाई दो की जान

इस साल का पहला अंगदान, पिछली बार अगस्त 2025 में मिला था डोनर

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महीनेभर पहले उत्तरप्रदेश से राजधानी शिफ्ट हुए अनाज कारोबारी सड़क हादसे का शिकार हो गए। परिवार ने अपना आधार स्तंभ खो दिया। कारोबारी के परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। इस विपदा में भी परिवार ने इंसानियत की मिसाल पेश की। इलाज के दौरान एम्स में मृत्यु के बाद परिवार की सहमति से उनकी किडनी दो मरीजों को प्रत्यारोपित ▶▶|शेष पेज 6 पर

एम्स से बालाजी हॉस्पिटल तक पुलिस का ग्रीन कॉरीडोर

सोटो के अधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर रायपुर संजीव शुक्ला को बताया कि एम्स से किडनी ट्रांसप्लांट के लिए श्री बालाजी हॉस्पिटल तक एंबुलेंस ले जाने ग्रीन कारिडोर की आवश्यकता है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर यातायात पुलिस ने निर्बाध रास्ता तैयार किया। इससे एंबुलेंस दोपहर 2 बजकर 2 मिनट में एम्स हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर मोहबाबाजार, आमापारा, अग्रसेन चौक, ▶▶|शेष पेज 6 पर

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

आवरण कथा / रजनी अरोड़ा

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से

धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

विशेषः पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

अवेयरनेस
लोकमित्र गौतम

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ता: पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआत: पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आज: पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकट: पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्ण: पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

व्यंग्य / पूरन सरमा

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

मजदूर

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

केले के बीच रखकर ले जा रहे थे साढ़े चार करोड़ का गांजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ओडिशा सीमा पर एंटी नारकोटिक्स फोर्स एवं बसना पुलिस ने राज्य से तस्करी करके ले जाए जा रहे गांजे की अब तक सबसे बड़ी खेप जब्त की है। जब्त गांजे की कीमत साढ़े चार करोड़ रुपए से ज्यादा की बताई गई है। इस 9 क्विंटल गांजे को केले के बीच रखकर फेजी नंबर प्लेट फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रक से ले जाया जा रहा था।

ऑपरेशन निश्चय के तहत की गई इस कार्रवाई के बारे में बसना थाना प्रभारी शरद दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि ओडिशा से उत्तरप्रदेश की ओर गांजा तस्करी की

सबसे बड़ी कार्रवाई

29 बोरियों में पकड़ा गया 9 क्विंटल गांजा तस्कर गिरफ्तार

सूचना पर पलसापाली बैरियर के पास नाकाबंदी कर एक पुलिस ने आईशर प्रो 2059 वाहन (क्रमांक एपी 39 टीटी 4556) को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में लदे केले के बीच 29 बोरियों में छिपाकर अवैध गांजा परिवहन करते हुए पाया गया। पुलिस ने मौके से कुल 912.760 किलोग्राम (लगभग 9 क्विंटल 12.760 किलो) गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 56 लाख 38 हजार रुपए आंकी गई है। इसके साथ ही परिवहन में प्रयुक्त वाहन, मोबाइल फोन एवं फर्जी नंबर प्लेट सहित कुल 4 करोड़ 66 लाख 45 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई। मामले में झारखंड निवासी आरोपी अब्दुल नईम (42 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(सी) सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड जेल भेज दिया गया है।

3 माह में तस्करी के 72 प्रकरणों में हुई कार्रवाई

तीन महीनों में जिला पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के 72 मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 5629.602 किलोग्राम गांजा जब्त कर 187 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 52 आरोपी छत्तीसगढ़ के तथा 135 अन्य राज्यों के हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा स्त्रोत और गंतव्य दोनों स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ई-ऑफिस लागू होने के बाद भी रेवेन्यू पोर्टल में कई खामियां

लंबित एवं अंतिम आदेश से संबंधित जानकारी भी नहीं मिल पा रही पक्षकारों को

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

डिजिटल इंडिया के तहत छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख विभागों को एक जनवरी से ऑनलाइन (ई-ऑफिस) कर दिया गया है। सभी विभागों के कार्य ऑनलाइन किए जाने का मुख्य उद्देश्य कार्य में तेजी लाना और पारदर्शिता बनाए रखना है। ई-आफिस सिस्टम लागू होने के बाद भी राजस्व न्यायालयों से संबंधित प्रकरणों में सुनवाई से लेकर अंतिम आदेश तक के दस्तावेजों को विभाग के पोर्टल में अपलोड नहीं किए जा रहे हैं, जिसके कारण पक्षकारों को सुनवाई के दौरान आवेदक और अनावेदक की ओर से क्या-क्या बयान, तथ्य एवं सबूत पेश किए गए हैं, इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं मिल पा रही है, जबकि ई-ऑफिस सिस्टम के तहत प्रकरण से संबंधित सभी दस्तावेज पोर्टल में अपलोड किए जाने हैं।

■ पीडीएफ फाइल में क्लिक करने पर फाइनल अपलोड नहीं होने की मिल रही सूचना

राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, वाणिज्यिक कर, वित्त विभाग, श्रम, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, यहां तक की रजिस्ट्री, डायवर्सन की प्रक्रिया भी अब ऑनलाइन होने लगे हैं। इसके लिए लगभग सभी विभागों के पोर्टल, वेबसाईट भी बने हुए हैं। विभाग में होने वाले सारे कार्य, योजनाओं की जानकारी, लाभप्रद हितग्राहियों का डॉटा से लेकर सारा लेखा-जोखा की एंट्री भी विभाग के पोर्टल या वेबसाईट में किया जाना है। यहीं नहीं राजस्व प्रकरणों से संबंधित शिकायत-सुनवाई से लेकर अंतिम आदेश तक के दस्तावेज भी अपलोड किए जाने हैं, लेकिन कई विभागों में तकनीकी सहित अन्य कारण से पोर्टल, वेबसाईट में कार्य करने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों परेशानी हो रही है। कई पोर्टल-वेबसाईट में खामियां भी हैं, जो ऑनलाइन कार्य करने में बाधा बन रही है। इन खामियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में लगातार विभाग के अफसर दावा भी कर रहे हैं। इसके बाद भी ये खामियां अभी तक दूर नहीं हो पा रही हैं। राजस्व विभाग में डायवर्सन की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ऑफलाइन से ऑनलाइन किया है। एक अप्रैल से इसे पूरे प्रदेश में लागू किया है, लेकिन आज 18 दिन हो चुके हैं पर अभी तक पोर्टल में ऑनलाइन डायवर्सन की प्रक्रिया ठीक से शुरू नहीं हो पाई है। शुरूआत में ऑनलाइन आवेदन करने में दिक्कत आ रही थी, लेकिन अब चालान कट नहीं पा रहा है, जिसके कारण डायवर्सन की प्रक्रिया भी नहीं हो पा रही है। अभनपुर एसडीएम रवि सिंह ने इसकी पुष्टि भी की है कि पोर्टल में कुछ तकनीकी खामी के कारण चालान कट नहीं पा रहा है।

रेवेन्यू पोर्टल पर तहसील न्यायालयों में लंबित केस नंबर की फाइल पर क्लिक करने पर प्रकरण से संबंधित पीठासीन अधिकारी से लेकर आवेदक और अनावेदक तथा प्रकरण की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है, लेकिन इस प्रकरण में अपलोड किए गए दस्तावेजों की पीडीएफ फाइल पर क्लिक करते ही सूचना मिलती है कि कोई फाइल अपलोड नहीं की गई है।

गुणवत्ताहीन साड़ी सप्लाई पर एजेंसियों और आपूर्तिकर्ताओं पर सख्ती

रायपुर। राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ियों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। शासन स्तर पर इसकी जांच शुरू हो गई है। संचालक, महिला एवं बाल विकास ने छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र जारी कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में साड़ी वितरण के लिए जारी किए गए क्रय आदेश के तहत कुछ जिलों से गुणवत्ता में कमी और निर्धारित मापदंडों में विचलन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। महिला बाल विकास विभाग ने कहा है कि प्रदाय की गई साड़ियां दुर्ग, धमतरी, कबीरधाम और रायगढ़ जिलों प्रदाय की गई साड़ियों के मापदंड में कमी पाई गई। जारी पत्र के आधार पर मामले की जांच के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई गई है। समिति में महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक दिलदाल सिह मरावी को अध्यक्ष बनाया गया है। अन्य सदस्यों में गांधी भारद्वाज संयुक्त संचालक, मुक्ता नंद खुंटे उप संचालक भंडार, उप संचालक बीडी पटेल, शिव सोनी सहायक संचालक और शुचि सुल्तानिया चावड़ा लेखाधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

पांच सदस्यीय समिति का गठन

निर्माण ठेकेदार की आवश्यकता

अनुभवी निर्माण ठेकेदारों की आवश्यकता है, जो कुशल और अकुशल लेबर (जैसे - कारपेंटर, बार बेंडर, हेल्पर और रिगर) उपलब्ध करा सकें ।

न्यूनतम आवश्यकता : 50 लेबर

इच्छुक ठेकेदार संपर्क करें :
99309 83837
99096 22253
lrd@rivierainfra.com

बंगाल चुनाव

एडीआर रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

भाजपा उम्मीदवारों पर हैं सबसे ज्यादा आपराधिक मामले

19 उम्मीदवारों पर हत्या से जुड़े मामले हैं दर्ज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में 23 व 29 अप्रैल को दो चरण में मतदान होना है। इससे पहले एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है। बंगाल में पहले चरण में उतरने वाले उम्मीदवार में लगभग हर 4 में से एक पर आपराधिक मामला दर्ज है और लगभग हर पांचवां उम्मीदवार करोड़पति है।

रिपोर्ट के अनुसार, 1475 उम्मीदवारों में से 23 प्रतिशत (345) उम्मीदवारों के ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 19 उम्मीदवार पर हत्या से जुड़े मामले व 6 पर दुष्कर्म के आरोप हैं। 98 उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनके ऊपर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज है। प्रमुख दलों में सबसे ज्यादा मामले बीजेपी उम्मीदवारों (152 में से 106) के ऊपर हैं। टीएमसी के 63, सीपीएम के 43 और कांग्रेस के 39 उम्मीदवार इस लिस्ट में हैं। गंभीर आरोपों की बात करें तो बीजेपी के 63 प्रतिशत, सीपीएम के 37 प्रतिशत, टीएमसी के 32 और कांग्रेस के 22 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आरोप हैं।

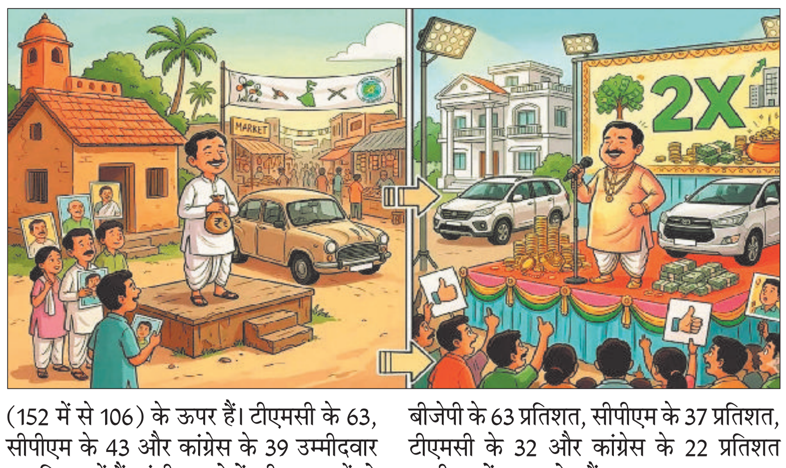

कितने उम्मीदवार करोड़पति?

पहले चरण में 309 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो करोड़पति हैं। सभी की एवरेज संपत्ति 1.34 करोड़ रुपये आंकी गई। पार्टी को देखें तो टीएमसी एवरेज संपत्ति में सबसे आगे है। उनके उम्मीदवारों की एवरेज संपत्ति 5.70 करोड़ रुपये है। 2.57 करोड़ के साथ बीजेपी दूसरे और 2.06 करोड़ रुपये के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर है। टीएमसी के जाकिर हुसैन सबसे अमीर उम्मीदवार हैं, जिनकी कुल संपत्ति 133 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सबसे गरीब उम्मीदवार रुबिया बेगम (500 रुपये) है, जिनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है। इनमें सुश्रृता सारेन (700 रुपये) और जशोदा बर्मन भी शामिल हैं।

तमिलनाडु चुनाव

रानीपेट में चुनावी सभा में राहुल गांधी ने लगाया आरोप

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होना है विधानसभा चुनाव के लिए मतदान

'पीएम मोदी ट्रंप के नियंत्रण में ऊर्जा सुरक्षा दांव पर लगा दिया'

रानीपेट(तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें। गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 'हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।' उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, 'कल (संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया गया।' उन्होंने कहा, 'आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं। वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।' राहुल गांधी ने कहा, ' जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'इसीलिए वह (मोदी) तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)को सत्ता में लाना चाहते हैं।'

डीएमके करेगी क्लीन स्वीप : उदयनिधि

तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 16 दिनों में उन्होंने करीब 100 विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया है और हर जगह जनता से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। चेपॉक-थिरुवल्लिकेनी सीट से डीएमके के उम्मीदवार स्टालिन ने कहा कि पार्टी इस चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उनका कहना है कि जहां भी वे प्रचार के लिए जा रहे हैं, वहां जनता का उत्साह और समर्थन स्पष्ट रूप से दिख रहा है। राज्य में मतदान 23 अप्रैल को एक ही चरण में होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

पलानीस्वामी ने स्टालिन पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने पल्लडम में चुनावी रैली के दौरान डीएमके सरकार और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा हमला बोला। एआईएडीएमके प्रमुख ने डीएमके पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। खास तौर पर नीट परीक्षा को रद्द करने के वादे पर उन्होंने सवाल उठाया और कहा कि इसे लागू नहीं किया गया। एआईएडीएमके नेता ने कानून-व्यवस्था, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराध बढ़ रहे हैं, शराब दुकानों में भ्रष्टाचार हो रहा है।

ममता को हटाना होगा, वरना बंगाल गंवा देंगे : हिमंता

कोलकाता। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर राज्य के संसाधनों को 'बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों' के हवाले करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सत्ता से हटाना होगा, 'वरना हम बंगाल गंवा देंगे।' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने 'बांग्लादेशी मुसलमानों' को भारत में प्रवेश करने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है।

'भाजपा उम्मीदवारों के पर्चे बांट रहे सीआरपीएफ के जवान'

बंगाल में वोटिंग से पहले टीएमसी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को लिखी चिट्ठी

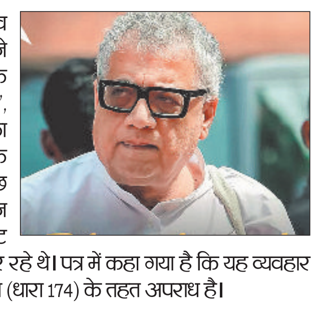

तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी 'फोर्स डिप्लॉयमेंट इन इलेक्शंस मैनुअल, 2023', जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 का उल्लंघन किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि फेसबुक पर प्रसारित एक वीडियो के आधार पर यह शिकायत की गई है। इस वीडियो में कुछ नागरिक यह दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि सीआरपीएफ के जवान कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवारों के साथ घूम रहे थे, भाजपा के पर्चे बांट रहे थे और मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे थे। पत्र में कहा गया है कि यह व्यवहार कथित तौर पर आपराधिक धमकी और चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव (धारा 174) के तहत अपराध है।

मेटा में होगी महाछंटनी, 8000 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा, जो फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी है, एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेटा 20 मई 2026 से अपने वैश्विक वर्कफोर्स में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती शुरू करेगी। पहले चरण में करीब 8,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी ने किया ऐलान

एआई के लिए बदला जा रहा है कंपनी का ढांचा

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग कंपनी के पूरे ऑपरेशन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इर्द-गिर्द रीस्ट्रक्चर कर रहे हैं। जुकरबर्ग एआई पहलों में अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। कंपनी का लक्ष्य अपने प्रोडक्ट्स और इंटरनल वर्कफ्लो को पूरी तरह से एआई-संचालित बनाना है। इस तकनीकी बदलाव और ऑटोमेशन को प्राथमिकता देने के कारण उन भूमिकाओं में कटौती की जा रही है जो अब कंपनी की नई रणनीति में फिट नहीं बैठतीं।

साल के अंत तक और भी जा सकती हैं नौकरियां

रिपोर्ट के मुताबिक, 20 मई से शुरू होने वाली छंटनी केवल पहला चरण है। सूत्रों का कहना है कि 2026 की दूसरी छमाही में छंटनी का एक और दौर आ सकता है। अतिरिक्त छंटनी का पैमाना इस बात पर निर्भर करेगा कि मेटा कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से अपनी प्रक्रियाओं में एआई को एकीकृत कर पाती है।

टीसीएस नासिक केस : फरार आरोपी निदा खान की तलाश तेज

पति ने उगला राज पुलिस ने मारा छापा

एजेंसी ▶▶| नासिक

नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) से जुड़े हाई-प्रोफाइल यौन उत्पीड़न और कथित जबरन धर्म परिवर्तन रैकेट मामले में फरार आरोपी निदा खान की तलाश तेज कर दी गई है। नासिक पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान शुरू किया है।

यह कार्रवाई तब तेज हुई जब पुलिस हिरासत में लिए गए उसके पति ने पूछताछ के दौरान उसके संभावित ठिकाने की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मामले के सामने आने के बाद से ही निदा खान फरार है। शुरुआती जानकारी में उसे कंपनी का एचआर हेड बताया गया था, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि वह कंपनी में टेली-कॉलर के रूप में कार्यरत थी। इस खुलासे ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है। पति से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की टीमों ने उस स्थान पर छापा मारा जहां आरोपी अपने रिश्तेदारों के साथ छिपी होने की आशंका थी। हालांकि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो परिसर बंद मिला. जांचकर्ताओं ने यह भी पाया कि आरोपी और उसके रिश्तेदारों के मोबाइल फोन बंद हैं, जिससे उसकी लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया है।

यह है मामला

टीसीएस नासिक में पिछले दिनों कुछ महिला कर्मचारियों ने टीम लीडर्स पर यौन शोषण, ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव के आरोप लगाए थे। आरोपियों आसिफ अंसारी, दानिश, शफी शेख, शाहरुख कुरैशी, रजा मेमन और तौसीफ अत्तर और प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटी के ऑपरेशंस मैनेजर अश्विन चैनानी को भी गिरफ्तार किया गया है। फरार निदा पर आरोप है कि उसने महिला पीड़ितों की शिकायतों को नजरअंदाज किया।

नोएडा हिंसा : मास्टरमाइंड तमिलनाडु से गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस और एसटीएफ ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। शनिवार को एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने हिंसा के मास्टरमाइंड आदित्य आनंद को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया है। आदित्य आनंद पर नोएडा पुलिस कमिश्नर ने 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। नोएडा पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने तकनीकी सर्विलांस और खुफिया जानकारी की मदद से आदित्य आनंद को तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से दबोचा। आरोपी पिछले काफी समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए गौतमबुद्धनगर न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) भी जारी किया था। नोएडा पुलिस और एसटीएफ के मुताबिक, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ और हिंसक घटनाओं में आरोपी आदित्य आनंद शामिल पाया गया। घटनाओं में इसकी भूमिका मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) के रूप में सामने आई। जानकारी के मुताबिक, आरोपी आदित्य आनंद ने एनआईटी (एनआईटी) जमशेदपुर से बीटेक की पढ़ाई की है। वो एक हाई-एजुकेटेड इंजीनियर है, लेकिन पुलिस जांच में उसके तार एक अल्ट्रा लेफ्ट (उग्र वामपंथी) संगठन से जुड़े होने की बात सामने आ रही है।

पुणे एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

लैंडिंग के वक्त सेना का फाइटर जेट रनवे पर फंसा

एजेंसी ▶▶| पुणे

पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात करीब 12:25 बजे इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) के एक लड़ाकू विमान में तकनीकी खराबी के कारण कुछ समय के लिए उड़ानें बाधित हो गईं।

लैंडिंग के दौरान विमान के लैंडिंग गियर सिस्टम में आई खराबी के कारण विमान रनवे पर ही फंस गया। इसके चलते हवाई पट्टी को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। इस घटना के बाद सुरक्षा कारणों से सभी आम उड़ानों को तुरंत रोक दिया गया। एयरपोर्ट प्रशासन के अधिकारी, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के कर्मचारी और एयर फोर्स के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में करने के लिए तत्काल काम शुरू कर दिया।

युद्धस्तर पर मरम्मत का काम

स्थिति को काबू में करने के प्रयास पूरी रात युद्धस्तर पर जारी रहे। विमान को रनवे से हटाया गया और जरूरी मरम्मत का काम पूरा किया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर संतोष धोके के अनुसार, शुरू में यह अनुमान लगाया गया था कि सामान्य परिचालन बहाल करने में लगभग 4 से 5 घंटे लगेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने भी कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और पुष्टि की कि वह एयरपोर्ट प्रशासन और एयर फोर्स, दोनों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

कोई जान-माल का नुकसान नहीं

पुणे एयरपोर्ट पर हुई इस घटना में खुशकिस्मती से किसी की जान नहीं गई। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि विमान में सवार क्रू मेंबर सुरक्षित है और नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसलिए यह साफ है कि एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस बीच, विमान के कुछ समय तक रनवे पर फंसे रहने और अचानक मची हलचल के कारण कुछ समय के लिए किसी दुर्घटना या क्रैश की आशंका को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं। हालांकि, एयर फोर्स ने आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी दुर्घटना की पुष्टि नहीं की है।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष – बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी ।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला – शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर – मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ – मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन – संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट का बाबू खेमानी बड़ा खिलाड़ी

कई राज्यों में फैला था बाबू खेमानी के सट्टा का नेटवर्क

रायपुर। सोशल मीडिया पर लग्जरी लाइफस्टाइल, फारेन टूर और महंगी कारों के जरिये खुद को सफल इंफ्लुएंसर के रूप में पेश करने वाला बाबू खेमानी आनलाइन सट्टा सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है। रायपुर पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि उसका नेटवर्क सिर्फ रायपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि मुंबई, गोवा समेत देश के कई हिस्सों में फैला हुआ था।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि बाबू खेमानी, जिसका असली नाम गुलशन खेमानी है, अपने आपको सट्टा किंग समझने वाला बाबू खेमानी मल्टी-लेयर नेटवर्क तैयार कर सट्टा संचालित कर रहा था। पूछताछ में दुबई कनेक्शन आने के बाद बाबू खेमानी पर ईडी का शिकंजा कस सकता है। उसके खिलाफ ईडी, मनी लांड्रिंग का अपराध दर्ज कर कार्रवाई कर सकती है।

थ्री लेयर में सट्टा-पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि खेमानी का सट्टा नेटवर्क तीन अलग-अलग लेयर में काम करता था। हर लेयर का उद्देश्य अलग था, कहीं कस्टमर जोड़ना, कहीं सट्टा आपरेट करना और कहीं पैसों के ट्रांजेक्शन को छिपाना। इस मल्टी-लेयर सिस्टम के जरिये नेटवर्क को लगातार विस्तार दिया जा रहा था और जांच एजेंसियों से बचने की कोशिश की जाती थी।

ऐसे संचालित होता था तीन लेयर में सट्टा

पहला लेयर

- इंफ्लुएंसर इमेज से सट्टे की शुरुआत
- बाबू खेमानी इंटरनेट मीडिया पर पहले से एक्टिव था और उसकी अच्छी-खासी फालोइंग थी।
- इस फालोइंग को उसने सिर्फ लाइक्स-व्यूज तक सीमित नहीं रखा।
- इसे सुनियोजित तरीके से 'टारगेटेड नेटवर्क' में बदल दिया।
- इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफार्म पर एक्टिव रहकर उसने अपनी एक 'हाइ-प्रोफाइल इमेज' बनाई।
- फालोअर्स के साथ पर्सनल कनेक्शन बनाने की कोशिश की।
- धीरे-धीरे भरोसा कायम किया।
- इसके बाद उसने इसी भरोसे का इस्तेमाल किया।
- हाई-प्रोफाइल और पैसे वाले लोगों को अलग से टारगेट किया।
- उन्हें सट्टा खेलने के लिए उकसाया।

दूसरी लेयर

- रायपुर से बाहर शिफ्ट हुआ आपरेशन।
- पुलिस का दबाव बढ़ने पर बाबू खेमानी और नेटवर्क ने रणनीति बदली।
- आपरेशन को एक जगह सीमित रखने के बजाय फैलाने पर फोकस किया गया।
- नेटवर्क को रायपुर से बाहर शिफ्ट किया।
- दूसरे राज्यों में विस्तार कर कार्रवाई से बचते हुए कारोबार जारी रखा।
- आपरेशन को रायपुर से बाहर शिफ्ट कर दिया गया।
- मुंबई और गोवा को नया आपरेशन बेस बनाया।
- वहीं से पूरे देश में नेटवर्क फैलाया।
- गोवा में मिले 'लाइन पैनल' से वहां से सीधे आपरेशन होने की पुष्टि हुई।
- गोवा में आइडी बनाई जाती थी। कस्टमर को लागिन दिया जाता था
- लाइव मैच के दौरान वहीं से सट्टा चलता था

तीसरा लेयर

- म्यूल अकाउंट के सहारे पैसे का पूरा नेटवर्क
- आपरेटर तक सीधी पहुंच छिपाने के लिए अलग फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार किया।
- सीधे खातों की बजाय एजेंटों के जरिये जुटाए गए खातों से लेन-देन होता था।
- इन्हीं खातों से करोड़ों का ट्रांजेक्शन कर मनी ट्रेल को कई लेयर में बांटा गया।
- म्यूल अकाउंट सिस्टम के तहत लोगों के खाते किराये पर लेकर एक खाते के बदले 20-30 हजार रुपए दिए जाते थे।
- इन खातों का इस्तेमाल सट्टे के पैसे के लेन-देन में किया जाता था।
- कस्टमर से पैसा इन खातों में डलवाया जाता।
- फिर इसे अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता।
- कई बार कैश निकालकर आगे भेज दिया जाता।
- जांच में करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन का संकेत मिला है।

शब्द पहेली - 6200

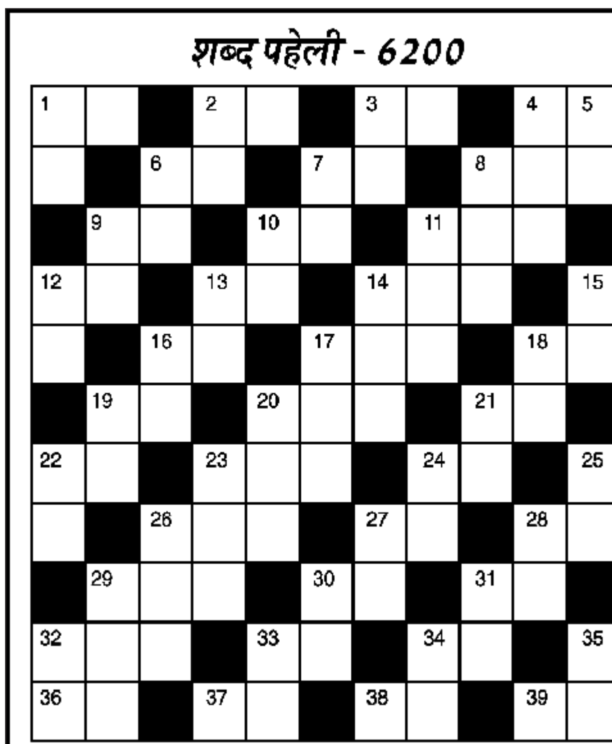

बाएँ से दाएँ

1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तांत, टेलीग्राम -2
22. वंश, खानदान-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर, मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, हाथ-2

ऊपर से नीचे

1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक, द्वारयंत्र-2
7. धाय, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मगन, मग्न-2
10. सप्त, सप्तम-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन, रगस-3
15. गमन, जाना-2
16. पुन:, वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली -6199 का हल

सूडोकु नवताल - 6210

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6209 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

तरकश

संजय के दीक्षित

डिलिमिटेशनः बैकबोन और त्राहिमाम

परिसीमन बिल के पारित होने से छत्तीसगढ़ के विधानसभा, लोकसभा की सीटों में वृद्धि होती, मगर इससे किसी सियासी पार्टी को नफा-नुकसान नहीं होता। इसका सबसे ज्यादा इम्पैक्ट वहां पड़ेगा, जहां मुस्लिम वोटर अधिक संख्या में हैं। अभी असम का उदाहरण सामने है। जम्मू-कश्मीर के बाद असम देश का दूसरा सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाला प्रदेश है। वहां 35 फीसदी मुस्लिम हैं। बीजेपी की सरकार के दौरान भी इस समय वहां 31 मुस्लिम विधायक हैं। बहरहाल, वहां जो मुस्लिम आबादी तीन दर्जन से अधिक विधानसभाई इलाकों में निर्णायक वर्चस्व रखती थी, परिसीमन के बाद अब ये सिनेरियो बदल गया है। दरअसल, परिसीमन की कैंची ऐसी चली कि कई इलाकों में फैले मुस्लिम आबादी को एक विधानसभा में लाने से उस क्षेत्र में उनकी आबादी तो काफी बढ़ गई मगर अगल-बगल के विस क्षेत्रों उनकी संख्या घट गई। इसे ऐसे समझे...आसपास के चार विधानसभा क्षेत्रों के मुस्लिम बहुल इलाकों को काटकर एक या दो विधानसभाओं में जोड़ा गया। इससे चार की जगह अब एक या दो विधानसभा सीटों पर मुस्लिमों का प्रभुत्व सिमट गया है। असम में परिसीमन के बाद हुए इस चुनाव में मुस्लिम विधायकों की संख्या 12 से 14 घट जाने का अनुमान है। जाहिर है, असम में मुस्लिम विधायक ही विपक्ष के बैनबोन होते थे। इसी तरह बिहार, यूपी समेत दक्षिण के कई राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जिनकी परिसीमन के बाद स्थिति बदल जाएगी। इसके बाद कुछ राजनीतिक दलों का बड़ा नुकसान होगा, तो कुछ के शटर गिर जाएंगे। तभी तो बवाल मचा है। विपक्ष इसलिए भी त्राहिमाम की स्थिति में है कि सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। याचिका खारिज हो गई। दरअसल, सीटों की परिसीमन में एक जाति, समुदाय या वर्ग को क्लब कर नया विधानसभा या लोकसभा बनाए जाने को प्राथमिकता देना है। इस दृष्टि से इस पर उंगली भी नहीं उठाई जा सकती।

डेपुटेशन का फर्स्ट केस

यूपीएससी क्रैक कर आईएएस, आईपीएस बनने वाले हर अफसर का ख्वाब होता है...जिले में कलेक्टरी और कप्तानी करें। मगर बिना एसपी बने कोई आईपीएस अधिकारी अगर सेंट्रल डेपुटेशन पर निकल ले तो इसे क्या कहा जाना चाहिए। ये वाकया इसलिए चौंकाने वाला है कि छत्तीसगढ़ ही नहीं अविभाजित मध्यप्रदेश में ऐसा कभी नहीं हुआ। कलेक्टर बने बिना न कोई आईएएस प्रतिनियुक्ति पर गया और न आईपीएस एसपी बने। लेकिन, 2020 बैच के आईपीएस विकास कुमार ने भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति मांगी और एनआईए में उन्हें पोस्टिंग मिल भी गई। अब मामला नाराजगी का है या कोई और बात...पीएचक्यू के अफसरों को इस बारे में ठीकठाक पता होगा। मगर बता दें...कवर्धा में एडिशनल एसपी की पोस्टिंग के दौरान एक मामले में विकास कुमार को सस्पेंड किए जाने पर बड़ी टीका-टिप्पणी हुई थी। आमतौर पर डायरेक्ट आईपीएस के कैरियर को देखते इस तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जाती। उस पर जब, एडिशनल एसपी की सिस्टम में कोई डिसिजन मेकिंग की भूमिका नहीं होती। डायरेक्ट आईपीएस के लिए यह प्रोबेशन की तरह माना जाता है। बहरहाल, विकास कुमार को निलंबन से बहाल होने के कई महीने बाद उन्हें रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी बनाया गया। लेकिन, यहां भी डंडी मार दी गई। जोन की बजाए उन्हें शंट करते हुए ट्रैफिक की जिम्मेदारी थमाई गई। हालांकि, आईएएस, आईपीएस के कैरियर में ऐसे दौर आते हैं, इससे घबराना नहीं चाहिए। वैसे भी ये माना जाता है कि किसी भी ऑल इंडिया अफसर की सर्विस का 10 साल बेस्ट, 10 साल मध्यम और 10 साल बेहद खराब रहता है।

शादी के बाद बीजापुर

छत्तीसगढ़ में ऐसे भी आईपीएस अधिकारी रहे हैं, जिन्हें कैरियर की शुरूआत में जोर का झटका मिला मगर बाद में उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां संभालने का मौका मिला। 98 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार रायपुर में एडिशनल एसपी थे। वे शादी करके रायपुर लौटे थे कि हफ्ते भर बाद उन्हें बीजापुर का एसपी बना दिया गया। बीजापुर नया जिला बना था, बैठने के लिए जगह भी नहीं थी। नई-नवेली पत्नी को मायके भेज अमित कुमार मन मारकर धुर नक्सल एरिया बीजापुर गए। उसके बाद वे रायपुर समेत सूबे के छह जिलों के एसपी रहे। सीबीआई में 12 साल तक टॉप का पोर्टफोलियो संभाला। और अब खुफिया चीफ हैं। याने नए अफसरों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए। परिस्थितियां हमेशा एक सी नहीं रहती। विकास कुमार भले ही अभी अपमानित महसूस कर रहे होंगे मगर हो सकता था...आगे चलकर उनका वक्त बदलता। इस केस में पीएचक्यू के सीनियर अफसरों को भी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। पहले के जमाने में सीनियर अफसर अपने जूनियर को काफी समझाते थे, गल्तियां पर टोका-टाकी और डांट भी लगाते थे। मगर ये काम अब बंद हो गए हैं। डीजीपी अरुणदेव गौतम को पीएचक्यू में नए अफसरों के लिए एक एचआर सेल बनाना चाहिए।

एसपी भी डेपुटेशन पर

आईपीएस आंजनेय वार्ष्णेय भारत सरकार में डेपुटेशन पर जा रहे हैं। वे इस समय सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के एसपी हैं। आंजनेय के प्रतिनियुक्ति पर जाने का कारण पारिवारिक बताया जा रहा है। उनके जाने के बाद सरकार को सारंगढ़ जिले में नए कप्तान की नियुक्ति करनी होगी। जल्द ही आईपीएस की लिस्ट निकलेगी, उसमें सारंगढ़ भी शामिल होगा। या हो सकता है, सारंगढ़ का सिंगल आर्डर निकल जाए।

ट्रांसफर पर संशय

छत्तीसगढ़ सरकार ने अचानक से सुशासन तिहार का आदेश निकाल अफसरशाही को चौंका दिया। पहले ऐसे संकेत मिले थे कि इस बार सुशासन तिहार को ड्रॉप किया जाएगा। बहरहाल, दो-सवा दो साल से एक ही जगह पर जमे अधिकारियों की उम्मीद थी कि मई फर्स्ट वीक में ताबड़तोड़ ट्रांसफर होंगे। कलेक्टर, एसपी, जिपं सीईओ और डीएफओ बदले जाएंगे। मगर सुशासन तिहार के ऐलान से वे उलझन में पड़ गए हैं। हालांकि, सुशासन तिहार की वजह से ये नहीं कहा जा सकता कि ट्रांसफर अब टल ही जाएंगे। सरकार के नजदीकी सूत्रों का कहना है कि ये अभी तय नहीं हुआ है कि सुशासन तिहार के दौरान ट्रांसफर नहीं होंगे, मगर अत्यधिक संभावना है कि सुशासन तिहार चलते रहेंगे और साथ में ट्रांसफर भी। जाहिर है, सुशासन तिहार एक मई से प्रारंभ होकर 10 जून तक चलेंगे।

अलग मोड में सुशासन तिहार

सुशासन तिहार इस बार अलग मोड में किया जाएगा। इस बार जिलों में 15-20 ग्राम पंचायतों के बीच एक जनसमस्या शिविर लगेगा। पूरा फोकस इस बार लोगों की समस्याओं पर केंद्रित रहेगा। अधिकांश शिविरों में कलेक्टर, एसपी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री बीच-बीच में इन शिविरों में हिस्सा लेंगे। अपने उड़नचिरैया से औचक निरीक्षण करने भी जाएंगे। मगर पिछली बार की तरह शेड्यूल बनाकर वे हर जिले में नहीं जाएंगे। कुल मिलाकर सरकार का मोटिव सिस्टम को एक्टिव करना और ज्यादा-से-ज्यादा लोगों की परेशानियां दूर करना है।

कार्रवाई का डंडा

सुशासन तिहार में इस बार सीएम विष्णुदेव साय प्वाइंटेड जगहों पर अपने हेलिकाप्टर से उतरेंगे...लोगों से राज्य में चल रही योजनाओं और उनकी समस्याओं पर फीडबैक लेंगे। संकेत मिल रहे हैं...कोई गड़बड़ी मिली तो इस बार मारक कार्रवाई भी होगी। जाहिर है, कार्रवाई के नाम पर पिछला सुशासन तिहार टोका-टोकी तक सिमट गया था...कोई बड़ा विकेट नहीं गिरा। सीएम ने जीपीएम के कलेक्टर को लेकर बड़ी तंज कसी थी। बोले...तीन थानों का जिला नहीं संभलता तो फिर कलेक्टर बनने का क्या मतलब? लेकिन, इस बार मामला कुछ आगे का हो सकता है। इसलिए कलेक्टर, एसपी संभलकर।

रेडक्रॉस को खत्म?

जो काम देश के किसी सूबे में नहीं हुआ, वह छत्तीसगढ़ ने कर डाला। छत्तीसगढ़ में प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक रेडक्रॉस सोसाइटी का चुनाव हुआ है। रायपुर में अब सत्ताधारी से जुड़ा प्रायवेट आदमी चेयरमैन बन गया है। जिलों में भी नई बॉडी बन गई है। मगर प्राब्लम है कि जिले वालों को कोई कलेक्टर मिलने तक का टाईम नहीं दे रहे। दरअसल, मध्यप्रदेश के दौर से लेकर छत्तीसगढ़ में अभी तक रेडक्रॉस में कभी चुनाव नहीं हुए। जिलों के कलेक्टर इसके पदेन प्रमुख होते थे। कलेक्टरों का अपना औरा होता है, इसलिए रेडक्रॉस बचा हुआ था। कई कलेक्टर इसमें काफी दिलचस्पी लेकर काम करते थे। अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर कलेक्टर रेडक्रॉस के लिए अच्छा खासा फंड कलेक्शन कर लेते थे। मगर अचानक चुनाव कराकर सिस्टम ने रेडक्रॉस को प्रायवेट हाथों में सौंप दिया। रेडक्रॉस सोसायटी का भगवान ही मालिक हैं।

कागजों में एसीआर

पिछले साल जीएडी ने कर्मचारियों, अधिकारियों के एसीआर के लिए कड़ा आदेश जारी किया था। कहा गया था कि अब ऑनलाइन भरा जाएगा, किसी अधिकारी को अब अफसरों का चक्कर नहीं लगाना पडेग़ा। मगर आलम यह है कि अभी भी एसीआर के लिए सरकारी मुलाजिम चक्कर लगाते दिख रहे हैं। पुलिस वालों की तो और स्थिति खराब है। एसपी ने भरकर भेज दिया तो कई आईजी साहब लोग उसे दबाकर बैठ गए हैं। बाकी विभागों का हाल भी जुदा नहीं है। तभी जीएडी ने 17 अप्रैल को फिर एक आर्डर निकाल 2024-25 का एसीआर भरने तगादा किया है।

डिप्टी सीएम साहबों की उम्मीदें

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे। नीतिश कुमार के इस्तीफे के बाद उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी गई है। इससे छत्तीसगढ़ की उपमुख्यमंत्रियों की उम्मीदें भी कुंलाचे भर रही होंगी। मगर सम्राट चौधरी एक अपवाद की तरह है। अविभाजित मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ बनने के बाद तक डिप्टी सीएम साहबों का तजुर्बा अच्छा नहीं रहा। बल्कि, डिप्टी सीएम बनने के बाद सियासी कैरियर ही ढलान पर आ गया। मध्यप्रदेश के दौर में सुभाष यादव जैसे जमीनी और कद्दावर सहकारिता नेता उप मुख्यमंत्री बनने के बाद बियाबान में चले गए। तो उनके साथ डिप्टी सीएम रहे कोरबा निवासी प्यारेलाल कंवर डिप्टी सीएम रहने के बाद अगले विधानसभा चुनाव में अपनी सीट तक नहीं निकाल सके। उनसे पहले वीरेंद्र सखलेखा, शिवभानु सिंह सोलंकी और जमुना देवी का हश्र भी बहुत अच्छा नहीं हुआ। वीरेंद्र सखलेचा अपवाद स्वरूप 1978 में मुख्यमंत्री बने मगर ज्यादा दिन इस पद पर रह नहीं सकें। सुंदरलाल पटवा उन्हें खो कर गद्दी पर बैठ गए थे। छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार में ही टीएस सिंहदेव पार्टी हाईकमान द्वारा किए गए करार और आश्वासनों के बाद भी डिप्टी सीएम से सीएम न बन सकें। उपर से गुस्से में पंचायत से इस्तीफा देकर उन्होंने अपने एक विभाग का नुकसान कर लिया। कहीं ऐसा तो नहीं...डिप्टी सीएम पद के साथ जुड़े इन्हीं बुरे योगों को देखते छत्तीसगढ़ के एक उप मुख्यमंत्री दिल्ली जाने का खयाल पाल लिए हैं।

हफ्ते का कोट

'जो रास्ता कठिन है, वही आपको मंजिल तक ले जाएगा, संघर्ष से घबराओं मत, यही तुम्हें आगे बढ़ाएगा' और 'कर्म किसी के बेकार नहीं जाते, तुम किसी का जीना मुश्किल कर दो, उपरवाला तुम्हारा मरना मुश्किल कर देगा।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ का आईपीएस कैडर कुछ ज्यादा ही निराश और उत्साहविहीन क्यों हो गया हैं?

2. पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति न होने से चीफ सिकेट्री और एसीएस होम क्यों घबरा रहे हैं?

संदिग्ध क्लेम के निपटारे में उत्कृष्ट प्रदर्शन, पीएमजेएवाय में छत्तीसगढ़ को दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के संदिग्ध क्लेम के निपटारे सहित प्रभावी संचालन, सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था तथा पारदर्शी क्लेम प्रबंधन प्रणाली के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह सम्मान निरंतर सुधार की दिशा में हो रहे प्रयासों का परिणाम है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने 17 एवं 18 अप्रैल को पुणे में आयोजित चिंतन शिविर में देश के सभी राज्यों को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य को योजना के प्रभावी संचालन के लिए पहला पुरस्कार हाई ट्रिगर एफिकेसी यानी संदिग्ध क्लेम की पहचान एवं उनके प्रभावी विश्लेषण में उल्लेखनीय दक्षता प्रदर्शित करने। उन्नत आईटी आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली तथा सुदृढ़ ऑडिट व्यवस्था के माध्यम से अनियमितताओं की समयबद्ध पहचान सुनिश्चित करने के लिए दिया गया। वहीं दूसरा पुरस्कार टाइमली प्रोसेसिंग ऑफ सस्पेसियस क्लेम्स यानी संदिग्ध दावों के त्वरित निपटान में उत्कृष्ट प्रदर्शन और निर्धारित समय-सीमा के भीतर क्लेम की जांच, निर्णय एवं निष्पादन सुनिश्चित कर पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत करने के लिए दिया गया। राज्य में क्लेम ऑडिट तंत्र को सशक्त बनाने, ट्रिगर-आधारित निगरानी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने तथा अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के कारण संदिग्ध प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

बिजनेस साइट

रिलायंस डिजिटल द्वारा अक्षय तृतीया से पहले 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' की घोषणा

मुंबई। रिलायंस डिजिटल, यह इंडिया का सबसे बड़ा कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, जिसने अपने लंबे समय से इंतजार की जा रही 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' कैम्पेन के फिर से आने की घोषणा की है। इससे लेटेस्ट टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना अब पहले से कहीं ज़्यादा आसान ही नहीं बल्कि फायदेमंद भी हो जाएगा।

इस कैम्पेन के अंतर्गत, ग्राहक लीडिंग बैंक के काड्र्स पर रू. 26,000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं या पेपर फायनेंस पर रू. 30,000 तक कैशबैक का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल सेकंड प्रोडक्ट पर दे रहा है फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट*, जिससे ऑडियो डिवाइस, वेयरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप एक्सेसरीज़, चुनिंदा होम एंटरटेनमेंट और छोटे अप्लायंसेज़ जैसी कैटेगरी में कई चीज़ें खरीदने को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले ब्रांड्स में मार्शल, जेबीएल, बोट और वनप्लस शामिल हैं, जो लोकप्रिय कंज़्यूमर टेक इकोसिस्टम पर कंपनी के मजबूत फोकस को दर्शाता है। सांकेतिक कीमतें इस ऑफर को और भी आकर्षक बनाती हैं। ब्लूटूथ स्पीकर, नेकबैंड और वायरलेस हेडफोन जैसे प्रोडक्ट्स अपनी लिस्टेड कीमत से लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध हैं: उदाहरण के लिए, लगभग रू.1,699 की कीमत वाले चुनिंदा स्पीकर लगभग रू. 850 में मिल जाएंगे, जबकि रू. 9,999 की रेंज वाले प्रीमियम हेडफोन, सेकंड-आइटम लाभ के अंतर्गत लगभग रू.5,000 मंल मिल सकते हैं।

रोज़मर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली ज़रूरी चीज़ें जैसे वायरलेस माउस, लैपटॉप एक्सेसरीज़, पावर बैंक और सैंडविच मेकर जैसे छोटे किचन अप्लायंसेज़ भी इस स्कीम का हिस्सा हैं, जो आपको रू.300 से रू.750 की रेंज में आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। इस ऑफर के ज़रिए बहुत कुछ आपकी सोच से परे देने की उम्मीद से, इस कैम्पेन को #CrazyUnbelievable Deals के विचार के साथ लॉन्च किया गया है। खरीदारी के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिए, रिलायंस डिजिटल ने अपनी सर्विस आर्म रिलायंस रेस्क्यू के ज़रिए आपको वर्ल्ड-क्लास आफ्टर-सेल्स सर्विस देना जारी रखा है, यह सबसे जल्दी इंस्टॉलेशन, आफ्टर-सेल्स सपोर्ट और मेंटेनेंस सॉल्यूशन देता है, जिससे प्रोडक्ट की लंबी उम्र और सर्विस की विश्वसनीयता को लेकर ग्राहकों की चिंताएं दूर होती हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)

Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रमांक / 209/ न.पा.नि./ भवन अनुज्ञा / 2026-27 बीरगांव, दिनांक 14/04/2026

रेनवॉटर हार्वेस्टिंग स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति

नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न भवनों में रेनवॉटर हार्वेस्टिंग हेतु अनुमोदित ड्राईंग - डिजाइन एवं दर के अनुसार निर्माण हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठनों (एन.जी.ओ.), स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियों, बेरोजगार इंजीनियर्स (सिविल), इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाइड्रोलॉजिस्ट व एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से रूचि की अभिव्यक्ति मैनुअल पद्धति से दिनांक 30.04.2026 को शाम 5:00 बजे तक स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डॉक के माध्यम से आमंत्रित है। रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के प्राक्कलन, दरों व नियम शर्तो से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव में रू. 1000/- (रू. एक हजार मात्र) नकद जमा कर अथवा आयुक्त, नगर पालिक निगम, बीरगांव के पक्ष में देय डिमाण्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत कर भवन अनुज्ञा शाखा से कार्यालयीन अवधि व दिवस में प्राप्त की जा सकती है। रूचि की अभिव्यक्ति (आवेदन) के साथ रू. 47000/- (रू. सैंतालीस हजार मात्र) की धरोहर राशि का एफ.डी.आर. प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। स्व-सहायता समूह व असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियों को धरोहर राशि में छूट की पात्रता होगी।

आयुक्त
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

यौन शोषण, मानसिक दिव्यांग पीड़िता ने मांगी गर्भपात की अनुमति

बिलासपुर। मानसिक रूप से दिव्यांग युवती ने यौन शोषण से गर्भवती होने पर गर्भपात की अनुमति हाईकोर्ट से मांगी है। कोर्ट ने चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर, कांकेर को एक्सपर्ट डॉक्टरों की एक टीम से युवती का मेडिकल जांच करने कहा है। इसमें एक गाइनेकोलॉजिस्ट होना चाहिए।यह मेडिकल टीम प्रेग्नेंसी का स्टेज, प्रेग्नेंसी खत्म करना याचिकार्ता के लिए कितना नुकसानदायक, क्या प्रेग्नेंसी जारी रखने से गर्भवती महिला की जान को खतरा होगा या उसकी शारीरिक या मानसिक सेहत को गंभीर नुकसान होगा पर रिपोर्ट देगी। जांच रिपोर्ट 20 अप्रैल तक जमा करनी होगी।मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

याचिका के मुताबिक 28 वर्षीय युवती मानसिक दिव्यांग है। आरोपी द्वारा दैहिक शोषण किए जाने से वह गर्भवती हो गई। थाने में एफआईआर भी कराई गई। 27 मार्च 2026 को डॉक्टर ने जांच उपरांत पीड़िता के 19 माह 4 दिन का गर्भ होने की रिपोर्ट दी। युवती की ओर से उसकी भाभी ने गर्भपात की अनुमति दिए जाने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। याचिका में एफआईआर की प्रति एवं युवती का मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है। सुनवाई उपरांत कोर्ट ने युवती को अस्पताल में उपस्थित होने एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को टीम गठित कर जांच कर रिपोर्ट 20 अप्रैल को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

आम आदमी पार्टी को झटका, सीतापुर विधानसभा चुनाव रद्द कराने की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने सीतापुर विधानसभा चुनाव रद्द कराने पेश याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका नामांकन पत्र निरस्त करने पर आम आदमी पार्टी के अभ्यर्थी ने पेश की थी। याचिका में निर्वाचित उम्मीदवार रामकुमार टोप्पो को भी पक्षकार बनाया गया था। यह याचिका आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मुन्ना लाल टोप्पो द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनके नामांकन पत्र को रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता ने इसके साथ ही पूरी चुनावी प्रक्रिया को रद्द करने की भी मांग की थी। मामला 2023 विधानसभा चुनाव से जुड़ा है, जिसमें मुन्ना लाल टोप्पो ने सीतापुर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया था। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान आपत्ति दर्ज की गई थी। आपत्ति में कहा गया था कि याचिकाकर्ता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जुड़े सरकारी अनुबंध में कार्यरत हैं, जिसके कारण वे लाभ के पद पर रहते हुए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। इसी आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर ने जांच के बाद 31 अक्टूबर 2023 को उनका नामांकन रद्द कर दिया था।

शपथपत्र में सरकारी अनुबंध होने की बात स्वीकारी- नामांकन रद्द होने के बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए दावा किया कि उनका अनुबंध सीधे सरकार के साथ नहीं था, बल्कि जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के साथ था, इसलिए उन्हें अयोग्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने इसे नियम विरुद्ध कार्रवाई बताते हुए पूरे चुनाव को निरस्त करने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान विधायक रामकुमार टोप्पो की ओर से अधिवक्ता शरद मिश्रा ने पक्ष रखा। सुनवाई में अदालत के सामने यह तथ्य आया कि याचिकाकर्ता ने अपने नामांकन पत्र और शपथपत्र में स्वयं सरकारी अनुबंध होने की बात स्वीकार की थी। इसके अलावा विभागीय रिपोर्ट में भी यह स्पष्ट किया गया कि अनुबंध अस्तित्व में था।

याचिकाकर्ता की दलीलें स्वीकार योग्य नहीं- हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जब उम्मीदवार स्वयं अपने शपथपत्र में किसी तथ्य को स्वीकार कर चुका हो, तो बाद में उससे इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में असफल रहा कि उसका अनुबंध सरकारी दायरे में नहीं आता। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि निर्वाचन अधिकारी द्वारा नामांकन रद्द करने का निर्णय नियमों के अनुसार और सही था। अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर याचिकाकर्ता की दलीलें स्वीकार योग्य नहीं हैं। इस मामले की सुनवाई जस्टिस संजय के अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई थी।

डामर का रेट हुआ दोगुना, ठेकेदार एग्रीमेंट करने से पीछे हट रहे

रायपुर। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से डामर की कीमत दोगुनी हो गयी है। पूर्व में 50 हजार रुपए टन में मिलने वाला डामर वर्तमान में 98 हजार रुपए टन पर पहुंच गया है। डामर की बढ़ती कीमत से परेशान ठेकेदार पूर्व में लिए गए टेंडर का एग्रीमेंट नहीं कर रहे हैं। इससे सड़क निर्माण का काम पूरी तरह से ठप पड़ गया है। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने राज्य सरकार से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की तरह रेट रिवाइज कर राहत देने मांग की है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि वितरण केन्द्र उदयपुर एंव खम्हरिया के अंतर्गत निर्बाध विद्युत आपुर्ति हेतु विभिन्न फीडरों, विद्युत लाईनों एवं उपकराणों का मानसून पूर्व आवश्यक अनुरक्षण एवं रखरखाव कार्य किया जाना है। वितरण केन्द्र के अंतर्गत फीडरवार प्रस्तावित तिथि एवं समय का विवरण निम्नानुसार है। सम्माननीय उपभोक्ताओ को विद्युत बन्द से होने वाली असुविधा के लिए खेद हैं।

क्र.	दिनांक/दिन	समय	सब-स्टेशन का नाम	फीडर का नाम/दूरी	प्रभावित क्षेत्र
01	22.04.2026 बुधवार	08am से 02pm तक	सलका	33 के.व्ही उदयपुर एवं खम्हरिया/15	33/11 के.व्ही. सबस्टेशन खम्हरिया से निकलने वाले समस्त फीडरों के ग्राम
02	23.04.206 गुरूवार	08am से 02pm तक	सलका	33 के.व्ही डांडगांव/28	33/11 के.व्ही. सबस्टेशन डांडगांव (गुमगा) से निकलने वाले समस्त फीडरों के ग्राम
03	24.04.2026 शुकवार	08am से 02pm तक	उदयपुर	सलका/64.9	11 के.व्ही. सलका फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
04	25.04.2026 शनिवार	08am से 02pm तक	उदयपुर	उदयपुर एवं रामगढ/49	11 के. व्ही. उदयपुर एवं रामगढ़ फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
05	27.04.2026 सोमवार	08am से 02pm तक	खम्हरिया	महंगई/59	11 के. व्ही. महंगई फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
06	28.04.2026 मंगलवार	08am से 02pm तक	उदयपुर	डांडगांव/31.6	11 के. व्ही. डांडगांव फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
07	29.04.2026 बुधवार	08am से 02pm तक	खम्हरिया	शंकरपुर/17.62	11 के. व्ही. शंकरपुर फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
08	30.04.2026 गुरूवार	08am से 02pm तक	डांडगांव (गुमगा)	डांडगांव/92.6	11 के. व्ही. डांडगांव फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
09	01.05.2026 शुकवार	08am से 02pm तक	खम्हरिया	पलका/46.22	11 के.व्ही. पलका फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
10	02.05.2026 शनिवार	08am से 02pm तक	उदयपुर	लक्ष्मणगढ़/38 8	11 के. व्ही. लक्ष्मणगढ़ फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
11	04.05.2026 सोमवार	08am से 02pm तक	डांडगांव (गुमगा)	मुडगांव/72.95	11 के.व्ही. मुंडगांव फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम
12	05.05.2026 मंगलवार	08am से 02pm तक	डांडगांव (गुमगा)	परसा/56.4	11 के. व्ही. परसा फीडर से विद्युत प्रदाय किये जाने वाले समस्त ग्राम

नोट- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है ।
- स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाएँ -
" विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है"

कार्यपालन यंत्री (सं/सं) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.अंबिकापुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मंदिर हसौद जिला-रायपुर (छ.ग.)

Email :- npmandirhasaud@gmail.com, 0771-2472211

क्रमांक/45/न.पा.प./ लो.नि.वि./2026-27 मंदिर हसौद दिनांक 17/04/2026

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु PWD ROAD SOR 01.01.2025 एवं BUILDING SOR 01.01.2015 मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 05.05.2026 समय 05:00 बजे
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 07.05.2026 समय 05:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाक से प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- 13.05.2026 समय 04:00 बजे
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि :- 14.05.2026 समय 12:00 बजे के बाद

क्र.	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख)	निविदा प्रपत्र	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की मूल्य	कार्य पूर्ण होने का समय
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्ड क्रमांक 13 में गुप्ता मिस्त्री के घर से सुरेश पाण्डेय के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.63	A	5000/-	750/-	03 माह
2	वार्ड क्रमांक 13 में मिंटू वर्मा के घर से सामिनी प्रजापती के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.63	A	2650/-	750/-	03 माह
3	वार्ड क्रमांक 13 में सेवाराम यादव के घर से पुनित पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.22	A	3250/-	750/-	03 माह
4	वार्ड क्रमांक 13 में सेवाराम यादव के घर से राजेन्द्र यादव के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.95	A	3950/-	750/-	03 माह
5	वार्ड क्रमांक 17 में चैतराम जोगी के घर से राजकुमार पटेल के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	8.25	A	6200/-	750/-	03 माह
6	वार्ड क्रमांक 19 में पंचु कुर्रे के घर से युगल साहू के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.25	A	2250/-	750/-	03 माह
7	वार्ड क्रमांक 19 में राजू के घर से भोजराज के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.75	A	3750/-	750/-	03 माह
8	वार्ड क्रमांक 19 में प्रीतम के घर से फगेश के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.25	A	2250/-	750/-	03 माह
9	वार्ड क्रमांक 19 में चैतू के घर से केजु पाण्डेय के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.25	A	2250/-	750/-	03 माह
10	वार्ड क्रमांक 19 में पंचु कुर्रे के घर से युगल साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1.97	A	2000/-	750/-	03 माह
11	वार्ड क्रमांक 03 दशरथ साहू किराना स्टोर्स से सोनिया धीवर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	6.57	A	5000/-	750/-	03 माह
12	वार्ड क्रमांक 03 शेष पटेल के घर से सुखचंद जांगडे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	9.03	A	6800/-	750/-	03 माह
13	वार्ड क्रमांक 03 राजू देवांगन के घर से अर्जुन पटेल के घर से होते हुये विजय सिंहा के घर तक सी.सी. रोड एवं आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य	7.98	A	6000/-	750/-	03 माह
14	वार्ड क्रमांक 03 नारायण ध्रुव के घर से अर्जून वर्मा के घर तक सी.सी. रोड एवं आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य	6.95	A	5250/-	750/-	03 माह
15	वार्ड क्रमांक 04 रूपचंद के घर से अनिल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	6.21	A	5000/-	750/-	03 माह
16	वार्ड क्रमांक 07 ललित बंजारे के घर से सतपाल चेलक के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	7.21	A	5450/-	750/-	03 माह
17	वार्ड क्रमांक 07 बिमला गायकवाड के घर से खुमानदास रात्रे के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	6.45	A	5000/-	750/-	03 माह
18	वार्ड क्रमांक 08 पवन यादव के घर से सुप्रीत के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.63	A	5000/-	750/-	03 माह
19	वार्ड क्रमांक 08 लखन कुर्रे के घर से सुरेश घृतलहरे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	8.26	A	6200/-	750/-	03 माह
20	वार्ड क्रमांक 08 मेन रोड से खान के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.36	A	5000/-	750/-	03 माह
21	वार्ड क्रमांक 08 चंद्रशेखर के घर से पब्लिक शौचालय तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.03	A	2050/-	750/-	03 माह
22	वार्ड क्रमांक 08 हनुमान मंदिर से राजेश के घर तक नकटा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.79	A	5000/-	750/-	03 माह
23	वार्ड क्रमांक 08 क्षत्रिय के घर से त्रिमुर्ति के घर तक नकटा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.08	A	5000/-	750/-	03 माह
24	वार्ड क्रमांक 08 मुकेश के घर से अजय पासवान के घर तक नकटा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.71	A	2750/-	750/-	03 माह
25	वार्ड क्रमांक 08 ममता के घर से कालुचरण के घर तक नकटा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.03	A	2050/-	750/-	03 माह
26	वार्ड क्रमांक 08 विजय नायक के घर से बबलू के घर तक नकटा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.22	A	3250/-	750/-	03 माह
27	वार्ड क्रमांक 09 मानसिंग के दुकान से रामसिंग के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	9.93	A	7500/-	750/-	03 माह
28	वार्ड क्रमांक 09 उत्तरा निर्मलकर के घर से बल्ला यादव के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य	9.22	A	6950/-	750/-	03 माह
29	वार्ड क्रमांक 08 संजीत मंडल के घर से हरिरमा मंडल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	1.88	A	2000/-	750/-	03 माह
30	वार्ड क्रमांक 02 मोहन पटेल के घर से गजानंद पटेल के घर से होते हुये पुचू पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.22	A	3250/-	750/-	03 माह
31	वार्ड क्रमांक 08 में सतनाम भवन के पास इंटरलॉकिंग कार्य	8.44	A	6350/-	750/-	03 माह

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद

प्रथम पृष्ठ का शेष

जल जीवन मिशन...

प्राप्त इस बड़ी राशि से पूरे प्रदेश में कौन-कौन से कार्य प्रस्तावित हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है। केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि जल जीवन मिशन को अब दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही योजना के दूसरे चरण में नई कार्यप्रणाली और अतिरिक्त वित्तीय व्यवस्था भी तय की गई है। यह भी जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मार्च 2026 में राज्य सरकार को 536.53 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। बिलासपुर संभाग की बात करें तो बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग, बस्तर और अंबिकापुर जैसे जिलों में पाइपलाइन और आधारभूत ढांचा तैयार होने के बावजूद कई इलाकों में लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल रही है।

विपक्ष पर बरसे,...

कुछ जाने वाला नहीं था। इससे नारी को अधिकार मिलता। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने इसे पारित नहीं होने दिया और वोटिंग के बाद जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार परिसीमन का मुद्दा उठाकर भ्रम फैला रहे हैं और कांग्रेस इसमें सबसे आगे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश में दरार डालने और फूट डालने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस महिला शक्ति के नारे से ही नफरत करती है। वह हमेशा से ही महिला सशक्तीकरण को रोकने के षड़यंत्र करती रही है। हर बार कांग्रेस ने इसमें रोड़े अटकाएं हैं। इस बार भी कांग्रेस और उसके साथियों ने महिला आरक्षण को रोकने के लिए एक के बाद एक नए झूठ का सहारा लिया। कभी संख्या को लेकर, कभी किसी और तरीके से। कांग्रेस और उसके साथियों ने देश को गुमराह करने की कोशिश की। ऐसा कर के इन दलों ने भारत की नारी शक्ति के सामने अपना असली चेहरा सामने ला दिया है। अपना मुखौटा उतार दिया है। **नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग** -पीएम मोदी ने कहा, सदन में नारी शक्ति वंदन संशोधन किसी से भी कुछ छीनने का नहीं था। यह हर किसी को कुछ न कुछ देने का था। देने के लिए यह संशोधन था। 40 साल से लटकी हुई नारी के हक को 2029 के अगले लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। नारी शक्ति वंदन संशोधन 21वीं सदी के भारत की नारी को नया अवसर देने, नई उड़ान देने, उसके सामने से बाधाएं हटाने का महायज्ञ था। देश की 50 फीसदी यानी आधी आबादी को उसका अधिकार देने का साफ नीयत के साथ, ईमानदारी के साथ किया गया, एक पवित्र प्रयास था। नारियों को भारत की विकास यात्रा में सहयात्री बनाने और सबकुछ जोड़ने का प्रयास था। नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है। **विपक्ष को उसके पाप की सजा जरूर मिलेगी**-पीएम मोदी ने कहा कि कल नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं। वे ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वह उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान चुकी है। महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर के विपक्ष ने जो पाप किया है, उसकी सजा उन्हें जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माता की भावनाओं का भी अपमान किया है। और जनता द्वारा इसकी सजा से भी वे बच नहीं पाएंगे।

अस्पताल में भर्ती...

घटना के बाद झुलसे श्रमिकों को किसी तरह बाहर निकाल कर खरसिया और रायगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए कुछ लोगों को बिलासपुर और रायपुर रिफर किया गया। घटना में अब तक मृतकों की संख्या 23 पहुंच चुकी है। मंगलवार तक 12 लोगों की मौत हुई थी, जबकि बुधवार को यह आंकड़ा 20 हो गया। शुक्रवार 17 अप्रैल को रायपुर में भर्ती एक श्रमिक की मौत हो गई, फिर 18 अप्रैल को मेडिकल कॉलेज रायगढ़ मैं भारती वेस्ट बंगाल के सुब्रतो जेना और कालड़ा अस्पताल रायपुर में भर्ती एक श्रमिक की मौत हो गई। इस तरह से हादसे में मरने वालों की संख्या 23जा पहुंची है। इधर बाकी के घायलों का उपचार चल रहा है, इनमें भी आधे की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। **सेंट्रल टीम पहुंची, दिनभर चली गहन जांच**-सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर हादसे की जांच को लेकर सेंट्रल के अफसरों की टीम पहुंची। सेंट्रल पावर रिसर्च सेंटर के ज्वाइन डायरेक्टर के नेतृत्व में पहुंची टीम ने सुबह से शाम तक प्लांट परिसर का बारीकियों से निरीक्षण किया और प्रोडक्शन सहित मेंटेनेंस को लेकर पुराने डाटा खंगाले। हादसे की जांच के लिए केंद्रीय स्तर पर भी कमेटी का गठन किया गया है। जिसके तहत शनिवार 18 अप्रैल को सेंट्रल पावर रिसर्च सेंटर के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रफुल्ल चंद्र डोंगरे के साथ आधा दर्जन से अधिक अफसरों की टीम वेदांता पावर प्लांट पहुंची। सुबह 10 बजे के करीब पहुंची अफसरों की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और पूरी सूक्ष्मता के साथ पाइपलाइन और प्लांट की मशीनरींयों का अवलोकन किया। इसके साथ ही टीम ने प्लांट के डाटा निकलवाए है।

अफसरों की परीक्षा...

नामांतरण के भी हजारों प्रकरण लंबित हैं। कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि 30 अप्रैल तक जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। **1 मई से लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर**- सुशासन तिहार के अंतर्गत 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ वितरण किया जाएगा। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

18 दिन में...

मुंगेली, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, पेण्ड्रा गौरेला मरवाही, धरमजयगढ़, कोरबा, कटघोरा डिवीजन शामिल हैं, जहां रेंज और कक्ष क्रमांक अलग-अलग बने हुए हैं। इन सभी डिवीजन में अब तक आग लगने की घटना की संख्या 300 से अधिक पहुंच चुकी है, जिसके कारण वन्यप्राणियों का जंगल में रहना दूभर हो गया है। वहीं छोटे-छोटे पौधे आग की भेंट चढ़ रहे हैं। इसलिए बीजापुर में ज्यादा आग :बीजापुर में वैसे तो हर वर्ष आगजनी की घटनाएं ज्यादा होती है। इस बार वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्टिव एरिया में पिछले वर्ष की तुलना में डेढ़ से दो गुना ज्यादा आगजनी की घटना हुई है। इस संबंध में जानकारों से बात करने पर उन लोगों ने बताया कि पूर्व में बीजापुर घुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र था। इसलिए ग्रामीण जंगल के अंदर जाने से डरते थे। नक्सल मुक्त होने के बाद ग्रामीण जंगल के भीतर तक महुआ बीनने जा रहे हैं। इस कारण से भी आगजनी की घटना में जानकार वृद्धि होने की आशंका व्यक्त कर रहे।

होर्मुज में दो...

हो सकता है। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण पहले जैसी स्थिति में लौट आया है... सशस्त्र बलों के सख्त प्रबंधन और नियंत्रण में। इसने चेतावनी दी कि जब तक ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी प्रभावी रहेगी, तब तक वह जलडमरूमध्य में आवागमन को अवरुद्ध करना जारी रखेगा। ब्रिटेन की सेना ने शनिवार को कहा कि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड की दो 'गनबोट' ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर गोलीबारी की। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर' ने कहा कि टैंकर को कोई नुकसान नहीं हुआ और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने संबंधी फैसले को लेकर तुरंत पलटी मारते हुए शनिवार को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर दोबारा प्रतिबंध लगा दिये। ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि जलडमरूमध्य पहले जैसी स्थिति में लौट रहा है। फैसले में यह बदलाव ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची द्वारा जलडमरूमध्य को खुला घोषित करने के एक दिन बाद आया। इजराइल और लेबनान के चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के बीच 10 दिन के संघर्षविराम की घोषणा की गई थी। **क्या हुआ था होर्मुज जलडमरूमध्य में?** - ब्रिटेन की समुद्री एजेंसी ने बताया कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़ी दो गनबोट्स ने ओमान के उत्तर-पूर्व में एक टैंकर पर गोलीबारी की। इसके अलावा एक अन्य कंटेनर जहाज पर भी अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला होने की खबर है। हालांकि सभी जहाजों और उनके चालक दल को सुरक्षित बताया गया है।

कोल स्कैम में...

ने कोर्ट के आदेश पर की है। घोटाले में संलिप्त अन्य लोक सेवकों की संपत्ति कुर्की की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

इन संपतियों के...

जमीन, नया रायपुर में जमीन, रायपुर, गायत्री नगर स्थित घर समेत अन्य संपत्तियों को जांच एजेंसी ने अटैच करने की कार्रवाई की है।

कारोबारी की एक्सीडेंट...

कर मरीजों को नया जीवन दिया गया। एक किडनी रामकृष्ण तो दूसरी बालाजी हास्पिटल के मरीज को लगायी गयी। सुनील गनवानी वर्ष 2026 के पहले अंग दानदाता बने, इसके पूर्व अगस्त 2025 में दुर्ग के मेडिकल ऑफिसर का अंगदान किया गया था। मूलतः इटावा यूपी में रहने वाले 39 वर्षीय सुनील कुमार गनवानी महीनेभर पहले कारोबार के सिलसिले में परिवार के साथ शंकरनगर में शिफ्ट हुए थे। 23 मार्च को दोपहर मरीन ड्राइव से शंकर नगर जाने वाले इलाके में स्कूल बस की ठोकर से वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका इलाज निजी अस्पताल के बाद एम्स में चल रहा था, जहां काफी कोशिश के बाद भी वे ब्रेनडेड हो गए। सुनील के जीजा राकेश हिरानी ने बताया कि सुनील की स्थिति के बारे में अस्पताल प्रबंधन एवं राज्य अंग एवं उतक प्राधिकरण की टीम ने अंगदान की महत्ता के बारे में परिवार को समझाया। इसके बाद परिवार राजी हुआ और सुनील की किडनी से दो जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने के लिए राजी हो गए। परिवार की सहमति के बाद सोटो के माध्यम से अलर्ट हुआ और एम्स में मौजूद एक तथा मोवा के बालाजी हास्पिटल के दूसरे मरीज को डाक्टरों की टीम ने लंबी सर्जरी प्रक्रिया के बाद किडनी का प्रत्यारोपण किया। सुनील के रूप में राज्य को वर्ष 2026 में पहले अंगदानदाता मिले। सुनील कुमार अपने परिवार के आधार स्तंभ थे और माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों की जिम्मेदारी निभा रहे थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी उन्होंने मानवता के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए दो जिंदगियों को जीवनदान दिया। **00 राज्य का 13वां अंगदान**- छत्तीसगढ़ में यह 13वां अंगदान है, जिससे अब तक कुल 52 सफल प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं, जिनमें 25 किडनी, 8 लीवर, 5 हार्ट वाल्व, 20 कॉर्निया एवं 3 स्किन ग्राफ्ट शामिल हैं। शनिवार को हुए अंगदान में सोटो के संयुक्त संचालक डॉ. वरुण अग्रवाल एवं कंसलटेंट गीतिका ब्रम्हभट्, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेशन टीम के सदस्य विषोक, विनिता एवं अम्बे, दीपक मौर्य एवं कृष्णकांत साहू ने विशेष भूमिका निभाई। इसके अलावा एम्स एवं बालाजी हास्पिटल के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों डाक्टरों की बड़ी भूमिका रही।

एम्स से बालाजी...

तेलघानीनाका, स्टेशन चौक, एक्सप्रेस वे,पंडरी ब्रिज के नीचे से कपड़ा मार्केट चौक, लोधीपारा चौक, दलदल सिवनी टर्निंग, मोवा थाना तिराहा होते हुए :शेष पेज 6 पर
दोपहर 2 बजकर 17 मिनट में बालाजी हॉस्पिटल तक पहुंचा।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

(1st call)

NIT NO:62/PWD/Zone-9/2026 RAIPUR DATED 18/04/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 11.05.2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1	189283	अधोसंरचना मद के तहत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत जोरा तालाब साहू भवन के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	1800000/-	13500/-	Class-D & above	07 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर. दि 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित
2	189284	अधोसंरचना मद के तहत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत जोरा श्मशान घाट में पहुँच मार्ग हेतु सी.सी. रोड निर्माण कार्य	1899000/-	14300/-	Class-D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर. दि 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित
3	189285	अधोसंरचना मद के तहत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत सांई नगर जोरा में विभिन्न विकास कार्य (सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य)	3699000/-	27500/-	Class-D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर. दि 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 18/04.2026, 17:30 Hours(IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email IDhelpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. प्रत्येक कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। कार्य क्रमांक 1 एवं 2 के लिए निविदा शुल्क रू. 750.00 एवं कार्य क्रमांक-3 के लिए राशि रू. 1500.00 देय डिमाण्ड ड्राफ्ट/वैंकर्स चेक आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा तथा वापसी आयेग्य होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
Skin Care
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 6 बजे से 7 बजे तक
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है-आफिस एवं कंस्ट्रक्शन साइट में कार्य हेतु 2 मेहनती लड़कों की आवश्यकता है स्वयं की गाड़ी अनिवार्य वेतन 10000 बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- के.डी. एसेट्स, नेहरू चौक बिलासपुर 9300396412 **(40601)**

आवश्यकता है-ऑपरेटर और टीचर युवती (दो अलग अलग) युवती चाहिए, कम्प्यूटर हेतु सेलरी 10000 से 15000 और क्लास-1 की इंग्लिश मीडियम टीचर की (3घंटे) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817395214 **(40602)**

आवश्यकता है-ईवी शोरूम में सेल्स एग्जीक्यूटिव- 5, ड्राइवर- 1 चाहिए। वेतन+ आकर्षक इंसेंटिव। अनुभवी को प्राथमिकता अपने बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- श्री बजरंग ऑटोमोबाइल (Kinetic Green) तोरवा बिलासपुर 9302569282 **(40603)**

आवश्यकता है-आया, कुक, केयर टेकर बच्चों हेतु आवश्यकता है उम्र 25 से 35वर्ष केवल तलाकशुदा/ विधवा हेतु वेतन 8000 से 12000 स्थायी रहने पर वेतन वृद्धि सम्पर्क करें- 97527 89180, 7999819387 **(40594)**

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वाह 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 **(40591)**

आवश्यकता है-बिलासपुर में शाकाहारी भोजन एवं नाश्ता बनाने वाले अनुभवी कारीगर केवल पुरुष/ महिला की आवश्यकता है। रहने के लिए आवास उपलब्ध। सम्पर्क करें- 7415555744, 86029 06819 **(40600)**

आवश्यकता है-आफिस में साफ सफाई एवं अन्य कार्य हेतु एक व्यक्ति (लड़का) की आवश्यकता है। कार्य समय सुबह 10.30 से 2 एवं शाम 4 से 8:30 तक। वेतन 6000/- सम्पर्क- प्रेम अपार्टमेंट, राजस्थान होटल के पास, मुंगेली नाका चौक, बिलासपुर 9993627592 **(40590)**

आवश्यकता है-कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7879094455 **(40592)**

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलिकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर गुरुवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड न-2 मंगला बिलासपुर 79879 17660 **(40593)**

आवश्यकता है-सीबीएसई स्कूल में PGT, TGT, PRT, Pre Primary (बीएड अनिवार्य) टीचर्स, हिन्दी टाइपिस्ट एवं आया दीदी की आवश्यकता है। सम्पर्क- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 91091 39971, 9301275222 **(40562)**

आवश्यकता है-सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें-पारस इन्टरप्राइजेस GF-26 अम्बे अंजनी ई-प्लाजा सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 **(40581)**

आवश्यकता है-लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी हेतु पिकप, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन- 12000 से 15000 (अनुभव के अनुसार) सम्पर्क करें- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9300734341 **(40585)**

आवश्यकता है-गोडाउन सुपर वाईजर-2 पद एवं धर्म कांटा ऑपरेटर (नाईट शिफ्ट परमानेंट)2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शिवांगी आइल्स बिलासपुर 9303790515 **(40597)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर **(40576)**

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है पता- गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक बुधवारी बाजार गेट नंबर 1, सम्पर्क करें- 9300635599 **(40566)**

आवश्यकता है-भवानी ट्रेडर्स चकरभाठा बिलासपुर (एशियन पेंट्स, एसीसी सीमेन्ट, गोयल टीएमटी अधिकृत डीलर) को 12 पद हेतु टैली ऑपरेटर, फ्लोर मैनेजर, कलेक्शन बॉय, सेल्स एग्जिक्यूटिव, स्टोर टीम, डिस्पैच सुपरवाइजर चाहिए। वेतन 5000 से 25000, रिज्यूम व्हाट्सएप करें- 94255 44397 **(40564)**

आवश्यकता है-राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने ऑफिस विस्तार हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है जो शहर से बाहर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश मे रहकर काम कर सके वेतन 12000 रहना खाना नियुक्ति फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करे 9755577072, 7999114133 **(401)**

आवश्यकता है-लाईट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है जिन्हे बिजली दुकान में काम करने का अनुभव हो अनुभवी को प्राथमिकता वेतन अनुभव के अनुसार सम्पर्क करें- 99935 66695 **(40598)**

आवश्यकता है-साड़ियों की दुकान में कार्य हेतु लड़के चाहिए सेल्समैन वेतन 17000+ 1%, सीखे हुए हेल्पर 10000/-फ्रेशर हेल्पर 8500/- नोट- 18वर्ष से 30वर्ष तक के लड़के ही सम्पर्क करें- 96913 42085 **(40596)**

आवश्यकता है-सरकंडा स्थित MRF टायर शोरूम में मशीन द्वारा टायर फिटिंग के लिए हेल्पर/ टेक्नीशियन की आवश्यकता है फ्रेशर भी अप्लाई कर सकते हैं। केवल इच्छुक ही सम्पर्क करें- 81098 55064 **(40595)**

आवश्यकता है-होटल नटराज में अनुभवी हाउस कीपिंग पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है दोपहर 1बजे से रात 11बजे तक वेतन 7000 से 9000 सम्पर्क करें- होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 9977861508 **(40599)**

आवश्यकता है-जर्नी कंसल्टेंसी ग्रुप ऑफिस में एक महिला चपरासी चाहिए नाश्ता, पानी हेतु (चाय नाश्ता बनाने एवं ऑफिस के सभी कार्य अनुभवी हो) रहने खाने की सुविधा पेमेंट योग्यतानुसार सम्पर्क- 9993316757 **(40589)**

आवश्यकता है-अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक में महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से रात 8बजे तक, डॉक्टर अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक, सन्तोष लॉज के बगल में, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911052 **(40575)**

आवश्यकता है-ऑफिस में सामान पैकेजिंग कार्य करने हेतु महिला स्टाफ की आवश्यकता है। कार्य समय- सुबह 10:30 से शाम 7बजे तक। सम्पर्क करें- श्रीराम टावर्स के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर 87094 38746 **(40587)**

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन 11000 से 13000 (समय सुबह 8बजे से शाम 8बजे) पता- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 **(40574)**

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़कों की। लड़को के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (10वी, 12वीं) सम्पर्क- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(40577)**

आवश्यकता है-ड्राइवर की आवश्यकता है (घर एवं दुकान में गाड़ी चलाने हेतु एवं अन्य कार्य) वेतन 12000 से योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- शिवकुमार रमेश कुमार ज्वैलर्स सदर बाजार बिलासपुर 93012 88666, 9827932666 **(40579)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान (मेडिकल स्टोर) में Marg साफ्टवेयर से बिलिंग जानकार एवं दवाओं की सामान्य समझ के अनुभवी लड़के, लड़की की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- माँ मेडिसिन कॉर्नर बिलासपुर 7000036436, 78693 80124 **(40568)**

आवश्यकता है-अनुभवी सिविल इंजीनियर (BE Civil) की जो साईट पर काम करा सके अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री गणेश कंस्ट्रक्शन राजीव प्लाजा बिलासपुर 9301922223 **(40572)**

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual/ Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 **(40573)**

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें-शॉप नम्बर FS16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(40560)**

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार (समय सुबह 10am-7pm, रात 10pm-6am) सम्पर्क- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा 90747 41377 **(40578)**

आवश्यकता है-Era Technologies CCTV कैमरा सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं ऑफिस स्टाफ (लड़के/ लड़कियां) की आवश्यकता हैं Fresher/ Experience दोनों आवेदन कर सकते हैं। सम्पर्क करें- 8878181720, 8889022217 **(40567)**

आवश्यकता है-बिजली दुकान में काम करने हेतु बिजली मिस्त्री, हेल्पर, कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए सम्पर्क करें- नरेन्द्र इलेक्ट्रीकल्स अण्डर फ्लाई ओवर ब्रिज राजीव गांधी चौक रोड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 6267353074, 7725823133 **(40563)**

आवश्यकता है-भारत के 28 राज्यों में सफलतापूर्वक चलने वाली हमारी कंपनी को अपनी जैविक खाद की सप्लाई के लिए ऊर्जावान और मेहनती सेल्स/ फील्ड डिस्ट्रीब्यूटर लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-9977999171, 9329245540 **(0388)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 **(40586)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन- 2 (बैटरी ऑटो में वायरिंग कार्य के अनुभवी ही सम्पर्क करें) हेल्पर- 4 श्री व्हीलर ऑटो के कार्य के अनुभव ही सम्पर्क करें- 9303555032, 93030 55032 **(40565)**

आवश्यकता है-अम्बिकापुर शंकरगढ़ एवं बिलासपुर में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु अनुभवी सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 98271 80841, 6268490010 **(40570)**

आवश्यकता है-रावांभाटा (बिरगांव) स्थित अरवा मिल (कोढ़ा मिल) हेतू आवश्यकता 1. अनुभवी मिल ऑपरेटर (सैलरी 15,000 - 18,000) 2. मुंशी 3. लेबर (कुली, रेजा) रहने की व्यवस्था है । संपर्क : 79879-70711 **(2602)**

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक हमाल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर **(40503)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर टैली की जानकार, सेल्स गर्ल, कार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- लक्ष्मी सेल्स न्यू टिंबर मार्केट फाफाडीह रायपुर, 98271 61397 **(0387)**

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

किराया

किराया-मंगला चौक पर सागर गोल्डन स्क्वेयर काम्प्लेक्स में प्रथम तल पर 12×17 की दो दुकानें किराए से देना है सम्पर्क करें-93032 05444 **(40571)**

किराया-महामाया विहार कॉलोनी में सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान किराए से देना है सरकारी कर्मचारी वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 **(40535)**

बेचना है

बेचना है-उसलापुर में सांई आनन्दम के पास शानदार 20×60= 1200 वर्गफुट में बना नया 2BHK पूर्व मुखी सामने 30 फिट रोड फुल फिनिशिंग स्वयं का बोर सर्वसुविधायुक्त मकान। सम्पर्क करें- 88238 10105 **(40580)**

बेचना है- कोरबा ऊरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट मध्य तल का बेचना है। सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 **(40569)**

बेचना है-रायपुर मेन रोड नया बस स्टैण्ड के सामने मण्डपम मंगलम के बाजू वाली रोड से सेक्टर-D, चौक के पास 20×58, 40×58 आवासीय प्लॉट, घुरू से सैदा मेन रोड से लगा 35×55, आवासीय प्लॉट सम्पर्क- 9993770950, 7389486109 **(40583)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली डॉक्टर उम्र 48, हाईट 5' के लिये नौकरी पेशा लड़की चाहिए विधवा/ तलाकशुदा भी स्वीकार्य जाति/ धर्म बंधन नहीं
सम्पर्क करें- 9425178704, 7648806889

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 9425582641 **(630)**

हरिभूमि वैवाहिकी प्रति रविवार

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	5	4	1	9
बेंगलुरु	5	4	1	8
राजस्थान	5	4	1	8
गुजरात	5	3	2	6
हैदराबाद	5	2	3	4
दिल्ली	4	2	2	4
लखनऊ	5	2	3	4
चेन्नई	5	2	3	4
मुंबई	5	1	4	2
कोलकाता	6	0	5	1

ऑरेंज कैप

शुभमन गिल
251 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
11 विकेट
गुजरात

पंजाब की लय जारी, एलएसजी के लिए मुश्किल मुकाबला

आज 7.30 बजे से श्रेयस और पंत की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स रविवार को आईपीएल मुकाबले में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मजबूत बल्लेबाजी पर भरोसा करेगी। लखनऊ की टीम कप्तान ऋषभ पंत की चोट को लेकर भी चिंतित है।

पंजाब किंग्स इस सत्र में अब तक एकमात्र अजेय टीम रही है। टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि केकेआर के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट +1.067 है, जो उसकी दमदार बल्लेबाजी और सधे हुए लक्ष्य-पीछा करने की क्षमता को दर्शाता है। पंजाब ने 2025 सत्र से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने पिछले 11 में से नौ मुकाबले जीते हैं, जो उसके दबदबे की बानगी है।

लगातार दो हार के बाद दबाव में एलएसजी

मेजबान टीम की इस रफ्तार को रोकने के लिए एलएसजी को असाधारण प्रदर्शन करना होगा। अंक तालिका में फिलहाल सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी लगातार दो हार के बाद दबाव में है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत की कोहनी में लगी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद दर्द से कराहते हुए रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। ऐसे में रविवार के मैच में उनकी उपलब्धता अब भी अनिश्चित बनी हुई है। लखनऊ की बल्लेबाजी अब तक लय में नहीं दिखी है और टीम इस सत्र में अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकी है।

खराब फॉर्म में केकेआर, वापसी की राह पर रॉयल्स

रहाणे और पराग की टीमों में भिड़ंत, मैच दोपहर 3.30 बजे से

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर जीत के लिए तरस रही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को आईपीएल के मैच में लय वापिस पाने के इरादे से उतरेगी।

टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक रॉयल्स और खराब फॉर्म से परेशान केकेआर के बीच यह मुकाबला होगा। राजस्थान ने लगातार चार जीत दर्ज की लेकिन पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया। वहीं केकेआर छह मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर कई मौकों पर जीत के करीब पहुंचकर हार गई है, जिससे टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश में धुलने से उसे एकमात्र अंक मिला है।

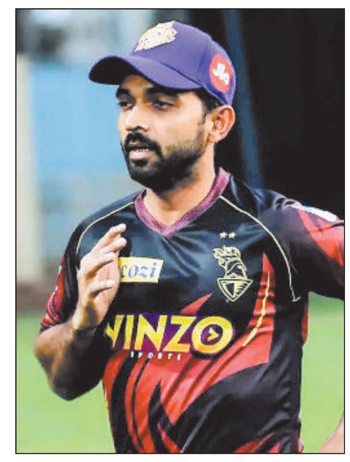

केकेआर के स्टार गेंदबाज बाहर

केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोटों के कारण बाहर हैं जबकि मथीषा पथिराना अभी तक आए नहीं हैं। रहाणे और मुख्य कोच अभिषेक नायर के कई फैसले भी विवादित रहे हैं। चयन से जुड़े फैसलों और मैच प्रबंधन पर ऊंगली उठी हैं । टी20 विश्व कप के बाद लय हासिल करने के लिए जूझ रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पावरप्ले में उतारना समझ नहीं आया। अभिषेक शर्मा ने उनके एक ओवर में 25 रन निकाले थे, जिससे उनका हौसला और टूट गया होगा। पहले चार मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके। टिम सीफर्ट को अभी तक एक ही मैच में उतारा गया जबकि स्टार हरफनमौला रचिन रविंद्र अभी तक खेले ही नहीं हैं। कई प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर भी बेंच पर ही बैठे रह गए।

खबर संक्षेप

सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल हुए कोएत्जी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल डेविड पेन की जगह गेराल्ड कोएत्जी को इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पेन ने सनराइजर्स के लिए इस सत्र में दो मैच खेलकर दो विकेट लिए हैं। वह एड़ी की चोट के कारण बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। आईपीएल ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज कोएत्जी को विकल्प के रूप में शामिल किया गया है और वह दो करोड़ रुपए में सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ेंगे।' कोएत्जी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार टेस्ट, 14 वनडे और 18 टी20 मैच खेले हैं।

बैटिंग-पेस बनेगा गेम चेंजर दूसरे टी20 में भारतीय महिला टीम की चुनौती

डरबन। पहले मैच में मिली हार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में उतरेगी तो बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मंधाना ने कहा, 'हम बल्लेबाजी ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और आखिरी ओवर तक मैच को खिंचा। इससे हमें काफी कुछ सीखने को मिला है। मंधाना ने कहा,' आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के एक महीने बाद हम खेल रहे हैं।

अब्बास की पाकिस्तान टीम में वापसी

कराची। अगले महीने के बांग्लादेश दौरे के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की पाकिस्तान टीम में वापसी हुई है जबकि चार नए चेहरों को भी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में जगह मिली है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच चुना है। टीम में नए चेहरों में बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल, अजान अवैस, हरफनमौला अमाद बट और विकेटकीपर गाजी गोरी शामिल हैं।

NOTICE
U/s 72 of Indian Partnership Act.
It is hereby notified that the Principal Place of Business of Siddhi Vinayak Enterprises has been shifted from 'RADHA, Medical Complex, Behind Hotel Ajit, Telipara, Bilaspur (CG) 495001 to Shop No.: 01, Nr. Saraswati Dharamkanta, Main Road, Kesla, Post: Bilha, 495224, Distt.: Bilaspur (CG) w.e.f. 01-04-2025.
Rohit Kumar Agrawal
Partner Siddhi Vinayak Enterprises Near Saraswati Dharamkanta Main Road, Kesla, Post: Bilha, 495 224, Distt.: Bilaspur (CG)
Date: 19-04-2026.

आईपीएल : दिल्ली ने 6 विकेट से बेंगलुरु को दी शिकस्त

दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में बेंगलुरु को हराया, राहुल और स्टब्स ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को 8 विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए।

टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

टिम डेविड ने किए आईपीएल में एक हजार रन पूरे

एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में टिम डेविड ने 17 गेंदों में 26 रनों की पारी खेलने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। डेविड इस लीग में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 560 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं। वहीं, आईपीएल में सबसे कम गेंदें खेलकर एक हजार रन बनाने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम दर्ज है। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 545 गेंदें खेलकर पूरे किए थे। टिम डेविड ने इस मामले में ट्रेविस हेड, फिल साल्ट, हेनरिक क्लासन और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। हेड ने आईपीएल में 1,000 रन 575 गेंदें खेलकर पूरे किए थे, जबकि फिल साल्ट ने यह मुकाम 575 गेंदें खेलकर हासिल किया था। वहीं, सहवाग ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक हजार रन 604 गेंदों में पूरे किए थे।

अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम बना सकी केवल 45 रन

एक समय आरसीबी ने 13 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 132 रन बना लिए थे। यहीं से दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने लगाम कसनी शुरू की। अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम केवल 45 रन बना सकी और 4 विकेट भी खो दिए। कहां बेंगलूरू की टीम 200 के सपने देख रही थी, लेकिन दिल्ली की ओर से कसी हुई गेंदबाजी के चलते बेंगलुरु की टीम उस आंकड़े से बहुत दूर रह गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट चटकाए। वहीं मुकेश कुमार भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63	38	4	3
कोहली का निसंका बो एनगिडी	19	13	3	0
पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18	13	1	1
पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08	04	0	1
डेविड का नटराजन बो अक्षर	26	17	3	1
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14	20	1	0
शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01	04	0	0
कृणाल पंड्या रन आउट	12	10	0	1
रसिक सलाम नाबाद	00	00	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03	02	0	0

अतिरिक्त: 11, कुल योग : 20 ओवर में 175/8 रन
गेंदबाजी: नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01	02	0	0
राहुल का कोहली बो कृणाल	57	34	6	2
नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05	05	1	0
रिजवी का जितेश बो भुवनेश्वर	02	03	0	0
टिस्ट्रन स्टब्स नाबाद	60	47	4	1
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26	19	3	0
डेविड मिलर नाबाद	22	10	1	2

अतिरिक्त: 06, कुल योग: 19.5 ओवर में 179/4 रन
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

चेन्नई चौथा मैच हारी, हैदराबाद ने मारी बाजी, अभिषेक और क्लासेन की फिफ्टी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रन से हराकर तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (59 रन) की शानदार शुरुआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन और अंशुल कंबोज की धारदार गेंदबाजी के सामने 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी।

- सनराइजर्स ने सीएसके को 10 रन से हराया, मलिंगा ने झटके 3 विकेट

अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। एसआरएच की तरफ से ईशान मलिंगा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए। नीतीश कुमार रेड्डी ने 2 विकेट निकाले वहीं शिवांग कुमार और साकिब हुसैन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

अभिषेक ने की वैभव की बराबरी

अभिषेक ने सीएसके के खिलाफ 15 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और इस दौरान 5 छक्के और 4 चौके भी लगाए। उन्होंने अपना अर्धशतक छक्के के साथ पूरा किया और इस मैच में 22 गेंदों पर 4 छक्के और 6 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इस दौरान अभिषेक ने 15 गेदों में पचासा लगाया। अब अभिषेक आईपीएल में सबसे तेज अर्धशतक लगाने के मामले में यूसुफ पठान, सुनील नरेन, निकोलस पूरना, जैक फ्रेजर मैकगर्क और वैभव सूर्यवंशी की बराबरी करते हुए इनके साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में यशस्वी जायसवाल 13 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर पहले नंबर पर हैं।

अभिषेक ने अपना रिकॉर्ड सुधारा

अभिषेक ने 15 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो आईपीएल में हैदराबाद के लिए सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। हालांकि इस मैच में उन्होंने अपने रिकॉर्ड को सुधार लिया। इससे पहले उन्होंने साल 2024 में हैदराबाद के लिए मुंबई के खिलाफ 16 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

महिला हॉकी सीरीज

भारतीय टीम की शानदार वापसी अर्जेंटीना के खिलाफ की बराबरी

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को पहले मैच से हुई, जिसमें अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत कौर (22वां मिनट) और अन्नु (29वां मिनट) ने गोल दागे जबकि मेजबान टीम के लिए मारिया एमिलिया लारसन (11वां), विक्टोरिया ग्रानाटो (18वां) ने एक-एक और जूलिएटा जांकुनास (42वां और 55वां) ने दो गोल किए। दूसरा मैच 14 अप्रैल को खेला गया, जिसमें अर्जेंटीना 2-1 से विजयी रही। भारत के लिए एकमात्र गोल 22वें मिनट में इशिका ने किया जबकि अर्जेंटीना के लिए आगस्टिना गोर्जेलानी ने 34वें और 48वें मिनट में गोल किए।

2-1 से जीतकर भारत ने की वापसी

तीसरा मैच 16 अप्रैल को खेला गया, जिसे 2-1 से जीतकर भारत ने वापसी की। भारत के लिए नवनीत कौर (26वां) और नेहा (37वां) ने गोल किए जबकि अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल आगस्टिना ने 52वें मिनट में दागा। श्रृंखला का आखिरी मैच 17 अप्रैल को खेला गया, जिसमें निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं। भारतीय डिफेंडरों ने अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शूटआउट में 3 . 2 से जीत दर्ज की।

हारने के बाद वापसी करना आसान नहीं : नवनीत कौर

भारत की कार्यवाहक कप्तान नवनीत कौर ने कहा,' पहले दो मैच हारने के बाद जिस तरह से टीम ने वापसी की, उससे मैं बहुत खुश हूं। अर्जेंटीना जैसी विश्व स्तरीय टीम के खिलाफ दो मैच हारने के बाद वापसी करना आसान नहीं होता लेकिन हमने वह जज्बा दिखाया।' उन्होंने कहा,' इससे साबित होता है कि भारतीय महिला हॉकी सही दिशा में जा रही है और हम शीर्ष स्तर पर दबाव का सामना कर सकते हैं।'

विश्व खेल पुरस्कारों में जोकोविच और एलीन करेंगे सह-मेजबानी

मैड्रिड। अपने दौर के दो सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और एलीन गु इस वर्ष के लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार की संयुक्त मेजबानी करेंगे। खेल कैलेंडर के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह में पहली बार दो सक्रिय खिलाड़ी प्रस्तोता की भूमिका निभाएंगे। यह आयोजन 20 अप्रैल को मैड्रिड के प्रतिष्ठित पलासियो दे सिबेल्स में आयोजित किया जाएगा। यह समारोह खेल, मनोरंजन और सांस्कृतिक जगत की दिग्गज हस्तियों को एक मंच पर लाकर उत्कृष्टता, जुझारूपन और प्रेरणा का जश्न मनाता है। दुनिया भर में प्रसारित होने वाला यह आयोजन करोड़ों दर्शकों तक पहुंचता है और विजेताओं की घोषणा के दौरान सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा का केंद्र बनता है। जोकोविच रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांच बार 'लॉरियस साल के सर्वश्रेष्ठ वैश्विक खिलाड़ी' पुरस्कार जीत चुके हैं। वह ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं और पुरुष एकल में 24 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर चुके हैं। वहीं गु फ्रीस्टाइल स्कीइंग इतिहास की सबसे सफल खिलाड़ी हैं। वह कई बार ओलंपिक और विश्व चैंपियन रह चुकी हैं।

भारत के 58 निशानेबाज कहिरा में दिखाएंगे जलवा, पहला दल रवाना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के 58 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला दल 19 से 27 अप्रैल तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ संयुक्त जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए काहिरा रवाना हो गया है।

काहिरा टूर्नामेंट से आईएसएसएफ जूनियर सर्किट की शुरुआत होगी, जिसमें इस कैलेंडर वर्ष में शॉटगन निशानेबाजों के लिए तीन और राइफल एवं पिस्टल निशानेबाजों के लिए दो प्रतियोगिताएं निर्धारित हैं। भारत ने कुल 71 निशानेबाजों को 18 पदक स्पर्धाओं के लिए उतारा है, जिनमें से 36 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। तीन अतिरिक्त स्पर्धाओं में पारंपरिक जूनियर पुरुष और महिला 50 मीटर राइफल प्रोन प्रतियोगिताएं तथा पुरुष 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा शामिल हैं, जिसे 2032 ओलंपिक का हिस्सा बनाए जाने की संभावना है।

25 देशों के 284 खिलाड़ी करेंगे प्रतिस्पर्धा

काहिरा में कुल मिलाकर 25 देशों के 284 खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें भारत सबसे बड़ा दल उतार रहा है। मेजबान मिस्र 29 सदस्यीय टीम उतारेगा, जबकि तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) के तहत भाग ले रहे रूस के 43 निशानेबाज चुनौती पेश करेंगे। फ्रांस (24), ग्रेट ब्रिटेन (16) और इटली (13) ने भी बड़े दल भेज रहे हैं। जर्मनी के सुहल में जून में होने वाली जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए दावेदारी मजबूत करने के लिए यह भारतीय जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर होगा।

स्मृति ने बनाए 155 पारियों में 4244

टी20 की टॉप स्कोरर बनीं स्मृति, टूटा रोहित का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| डरबन

स्मृति मांधना रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खलिाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में यह उपलब्धी हासिल की।

उन्होंने पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर यह मुकाम हासिल किया। इस मैच में उतरने से पहले मांधना 151 पारियों में 4231 रनों के साथ रोहित शर्मा के बराबर थी। इस मैच में मांधना ने 14 गेंदों पर 13 रन बनाए, जिससे 155 पारियों में उनके कुल रन 4244 हो गए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 124.38 है। कुल मिलाकर मांधना अब महिला टी20 में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। महिला टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है, जिन्होंने 175 पारियों में 4,717 रन बनाए हैं।

पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका से हारा भारत

कप्तान लौरा वोल्वार्ट के अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले महिला टी20 क्रिकेट मैच में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। दो महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप की 'ड्रेस रिहर्सल' मानी जा रही श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत की दिशाहीन गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए लक्ष्य पांच गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों ने 14 वाइड गेंदें फेंकी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा संख्याः 758-ST-CON-R-SZB-KMI-EI
दिनांकः 13.04.2026
कार्यः SEC रेलवे के रायपुर डिवीजन में चौथी लाइन की कनेक्टिविटी के लिए यार्ड रीमॉडलिंग के साथ-साथ, सरोना और कुम्हारी स्टेशनों को नए Distributed EI में बदलने और Auto section EI (Hitachi make) में बदलाव/संशोधन से संबंधित सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य ।
निविदा मूल्य- ₹ 40,48,71,741.48/- (चालीस करोड़ अड़तालीस लाख इकहत्तर हजार सात सौ इकतालीस और अड़तालीस पैसे मात्र), **अमानत राशि-** ₹ 80,97,400.00 (अस्सी लाख सत्तानबे हजार चार सौ मात्र) ।,
निविदा बंद होने की तिथिः 06.05.2026 को 15.00 बजे तक ।
अधिक जानकारी/पात्रता, मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए कृपया उप-मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण, एस.ई.सी. रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करे या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें ।
उप मुख्य सिग. एवं दूर. इंजी./निर्माण
सीपीआर/10/39 द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
क्रमांक संख्या (1) निविदा संख्या एस.ई.सी. आर. मुख्यालय इंजी. बी. एल.-26-27-01
कार्य : बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल) / शहडोल के अधिकार क्षेत्र में पुलो के विविध रखरखाव का कार्य जैसे थ्रु/पेंच पेंटिंग, ग्रिसिंग, इपॉक्सी ग्राउटिंग के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : रू. 71,02,227.79
प्रतिभूति राशि : रू. 1,42,100/-/-
क्रमांक संख्या (2) निविदा संख्या एस.ई.सी. आर. मुख्यालय इंजी. बी.एल. 26-27-02
कार्य : बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल) / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र में पुलो के विविध रखरखाव का कार्य जैसे थ्रु/पेंच पेंटिंग, ग्रिसिंग, इपॉक्सी ग्राउटिंग एवं क्षतिग्रस्त मेम्बर का प्रतिस्थापन के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : रू. 87,36,227.81
प्रतिभूति राशि : रू. 1,74,700/- **बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथि** : 28.04.2026 **निविदा की अंतिम तिथि समय** : दिनांक 12.05.2026 को 16:30 बजे ।
उपरोक्त कार्य की आवश्यक एवं पुर्ण जानकारी उप मुख्य अभियंता पुल / मुख्यालय कार्यालय या www.ireps.gov.in वेबसाईट से प्राप्त किया जा सकता है।
उप मुख्य अभियंता पुल/मुख्यालय
सीपीआर/10/AM/27 द.पू.म.रेलवे/बिलासपूर
South East Central Railway @secrail

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com